

Hich an Usica The Gazette of India

आविकार स अक्राहित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 12]

नई विल्ली, शनिवार, मार्च 25, 1978 (चेन्न 4, 1900)

No. 12]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 25, 1978 (CHAITRA 4, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 फरवरी 1978 सुद्धि-पद

सं० पी०/1780-प्रणा०-II—संघ लोक सेवा श्रायोग की श्रिधिसूचना सं० ए० 35017/1/75-प्रणा०-II दिनांक 9 नवम्बर, 1977 में मुद्रित "महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व कार्यालय के श्रापुमाग श्रिधिकारी" शब्दों के स्थान पर महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व कार्यालय के लेखा श्रिधकारी" शब्द पढे जाएं।

प्र० ना० मुखर्जी, ध्रवर सचिव कृते सचिव संघ स्रोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1978

सं ब डी ० 7 ग्रार० सी ० टी ० 40—केन्द्रीय सतर्कता म्रायुक्त एतद् द्वारा श्री ग्रंगोक कपूर, ग्राई० ए० एस०, को केन्द्रीय सतर्कता ग्रायोग में 1 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न) से ग्रंगले श्रादेण तक स्थानापन्न रूप से विशेषाधिकारी नियुक्त करते हैं।

> श्री निवास, भवर समिव इते केन्द्रीय सतर्कता भायुक्त

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1978

सं० ए-19036/3/78-प्रशासन-5--निदेशक, केन्द्रीय इ.न्यषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा आंध्र प्रदेश राज्य पुलिस के अधिकारी तथा केन्द्रीय इ.न्वेषण ब्यूरो, हैदराबाद शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री एम० रामामर्ती को दिनांक 27-1-78 के अपराक्ष से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष अन्वेषण कोष्ठ में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 मार्च 1978

सं० ए-31014/2/76-प्रशासन-I—केनीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा श्रपील) नियंसावली, 1965 के नियंस 9(2) के द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निवेशक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, हरियाणा राज्य पुलिस के निम्निधित प्रतिनियुक्त श्रीक्षकारी को दिनांक 30-10-77 (पूर्वास्त्र) से स्थापी

समाहृति पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस रथ।पना मे उप-श्रधीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं ——

केन्द्रीय अन्वे-स्रधिकारी का पद स्थापन राज्य जिसमे म० नाम का वर्तभान । प्रतिनिय्बित षण् ब्यूरो परहाँ म्धान की शाखा जहां पुलिस उपग्रधीक्षक के स्थायी पद पून-र्ग्रहणाधिकार रखा गया

ा श्री देस राज सी० स्राई० हरियाणा सी० श्राई० ऋधीक्षव यू० (बी) यू०-III, नई टिल्ली नई दिल्ली

दिनाक 6 मार्च 1978

स० पी० एफ०/पी-4/69-प्रशासन-5— तिदेशक, कन्द्रीय भ्रत्वषण व्यूरो एव पुलिस महानिरीक्षण, विशेष पुलिस स्थापना एनद्हारा, बिहार राज्य से प्रतिनिय्वत श्री पी० पी० सिह, लोक प्रिचयोजक, केन्द्रीय अग्वेपण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, पटना को दिनांक 21-2-77 के एविह्न से प्रगले भ्राटेश तक के लिये केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में तदर्थ श्राधार पर विरिष्ठ लोक-ऋभियोजक निय्वत करते हैं।

(यह प्रिक्तिना सं० पी० एफ०/पी०-4/69-प्रणा०-5, दिनाक 12-5- ःशिक्रमण में है।)

स० ए-19036/11/75-प्रशासन-5—प्रति निय्वित की अवधि नमाप्त हो जाने पर, श्री एस० बी० पुरनायस्थ, पुलिस उप-पधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ज्यूरो ने दिनाक 4-2-78 के अपराह्म में पुलिस उर-अधीक्षत केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, शिलांग शाखा के अपने पद का नार्यभार त्याग दिया।

उन्हें ग्रपने मूल राज्य यासाम <mark>में प्रयार्व</mark>ातन कर <mark>दिया गया</mark> ।

ए० के० हूइ, प्रणारम ग्रिधकारी (स्था०) केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय रिपर्व पुलिस दल महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनाय ा मार्च 1978 मं० पी० 'त्रत-(/रा-स्थापना- --राष्ट्रपति, श्री एस० सी० सूद को, पार्द० सी० एफ० एस० द्वारा एनकी सेवासे के० रि० पु० दल को निवित्त नरने ने परण्यक्षप, के० रि० पु० तरा से पदाभ्रति पर तर्द्य रूप से ग्रहायक कसाइट ने पद पर 11-1-78 पूर्वाह्म से नियवन करते हैं।

िताके 3 मार्च 1978

सं ० श्रो०-II-108%/78-स्थापना- -राष्ट्रपति, डाक्टर मोहन लिमसे को अस्थायी रूप से शागामी प्रादेश तारी होने तक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल में जी० डी० श्रोठ ग्रेड II (डी० एस० पी०/ कम्पनी कमान्डर) के पद पर 20 फरवरी 1978 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं ।

> ए० के० बन्द्योपाद्याय, सहायक निदेशक प्रशासन

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनाक 25 फरवरी 1978

स० ई-16013(1)1/77-कार्मिक—प्रतिनिय्वित परस्था-नातित्त होने परश्री प्रफुल्ल चन्द्र राठी भा० पु० से० (उडीसा-56) ने 11 जनवरी 1978 के पूर्विह्न से के० ग्रौ० सु० ब० राउरकेला दस्पात संयव राउरकेला म उप-महानिरीक्षक पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

यह दिनाक 24-1-78 की रामसंख्यक श्रिधस्चना का श्रिध-ऋमण करती है।

स० ई-39013(II)/1/78-कार्मिक—बोकारो से स्थानान्त-रित होने पर श्री उन्द्र भगत नेगी भा० पु० से० (उ० प०-58) ने 3 फरवरी 1978 के अपराह्न से के० श्रो० सु० ब० तोवारो स्टील लिमिटेड, बोकारो स्टील नगर के उप महानिरीक्षक के पद का कार्यभार छोड दिया श्रौर उन्होंने 10 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्रो० सु० ब० मुख्यालग नई दिल्ली में उप महानिरीक्षक (भर्ती व प्रणिक्षण) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनाकः । मार्च 1978

स०-ई-32015(II)/5/77-कार्मिक—-राष्ट्रपति, पुनर्नियुध्ति पर कर्नल एन० एस० परी को 6 फरवरी, 1978 के श्रपराह्न से अगले आदेश तक के० और सु० व० यूनिट फरक्का बरेज परि-योजना का कमाईन्ट नियुक्त करने हैं।

> ली० सि० बिप्ट, महानिरीक्षक/के०भ्रौ०सू०ब०

त्रित्त मन्त्रालय ग्राधिक कार्य विभाग बँव नोट सुद्रणालय देवास, दिनाक 5 मार्च 1978

म० वी० एन० पी०/सी०/5/78—व्यस कार्यालय की प्रिध्यस्वना अभाक बी० एम० पी०/सी०/63/75 दिशाव 6-10-76 के अनुअस से प्रतिभिगुक्ति पर कारों श्री वी० बी० केन, लगाव श्रीभवन्ता (साम्रिक्ष) की दिस्पि दिशाय 12-11-77 के 1 वर्ष के लिए बैंग लोट अक्षातान में मानक

प्रतिश्वित अतौँ पर दिख्ला की जाती है।

स० बी० एन० पी०/सी०/5/78--इस कार्यालय की प्रधिसूचना क्रमाट बी० एन० पी०/बी०/72/74 दिसाव 5 जनवरी, 1977 के अनुक्रम से प्रतिनियुक्ति पर क्रांगे श्री श्रीर व्ही० के० चारी, सहायक श्रीभयन्ता (सिविल) की

नियुक्ति दिनाक 1-8-77 सं । वर्ष की श्रवधि तक बैंक नोट मुद्रणालय में मानक प्रतिनियुक्ति शतों के श्राधार पर निरन्तर की जाती है।

> पी० एस० **शिवराम** महा **प्रज्ञ**न्धक

कार्यालय महालेखाकार उत्तर प्रदेश-प्रथम इलाहाबाद, दिनांक 24 फरवरी 1978

का० ग्रा० सं० प्रशासन $\frac{1}{7}$ I_{1} 1-144 $\left(x^{iii} \right)$ I_{1} I_{3} 66—
महालेखा कार उत्तर प्रदेश (प्रथम) इलाहाबाद ने निम्निलिखित
श्रमुभाग श्रिधकारियों को उनके नामों के ग्रागे अंगित तथि
से पागामी ग्रादेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन लेखा-
धिकारी नियुक्त किया है।

१ श्री जगपाल सिं ह	13-1-78
	(श्रपराह्न)
2. श्री गौकुलनाथन ग्रय्यर	27-1-78
 श्री शिवपूजन नैक 	13-1-78
4. श्री गौपाल स्वरूप भटनागर	18-1-78
5. श्री कुलदीप राय भल्ला	6-1-78
 श्री जगदीण प्रसाद श्रग्रवाल 	9-2-78
 श्री सूरज सिंह 	9-2-78
৪. श्री बृज बिहारी लाल	13-2-78

उ० रामचन्द्र राव

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार कार्यालय , कर्नाटक बैगलोर, दिनांक 21 फरवरी । 1978

सं० ई० एस०-1/एस०/77-78/866----महालेखाकार, कर्ना-इत, बैंग तार के निमालिखा, कार्यकारी लेखा श्रधिकारियों को, लेखा श्रधिकारियों के ग्रेड म, उनके नाम के श्रागे सूचित दिनाको से, स्थायी श्रधिकारियों के पद में नियुक्त किया गया है:---

1. श्री एस० ए० नटराजन	21-12-1977
2. श्री ग्रार० रंगराजन्	21-1-1978
3. श्री डी० परमशिवन्	1-2-1978
	एस० सी ॰ ानरजी
	मह स्वाकार

कार्यालय महालेखाकार, केन्दीय राजस्व नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1978

मं० प्रशासन-1/5-5/प्रमोणन/कार्या० स्रादेश-688/2585— नेवर्सन की स्रायु प्राप्त करने पर, श्री श्रीकृष्ण, इस कार्यालय के एक स्थार्या लेखाधिकारी राजकय सेवा से 28 फरवरी, 1978 श्रपराह्म को सेवानिवृत्त हो गए हैं।

उनकी जन्म तिथि 6-2-1920 है।

कौ० हि० छाया वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रणासन)

मुख्य लेखा परीक्षय वा ६ र्यालय पश्चिम रेखवे

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1978

मं० एस० ए०/एच० क्यू०/प्रशासन/IX/6/वा० [1V]
7645—इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग श्रिष्टिनरी श्री
एन० सी० सी० पीलाइ को दिनांक 18-2-19:8 (श्रिपराह्न)
से स्थानापन्न रूप से लेखा परीक्षा श्रिष्ट्वार्रा के पद पर स्हूष्ट्रं
पदोन्नत किया है और लेखा परीक्षा श्रीध्वार्रा (सर्वेक्षण व निर्माण), पश्चिम रेलवे, बग्बई, के पद पर उसी दिनांक से
नियुक्त किया है।

> श्र० ना० बिस्वास मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक नई दिल्ली-110022, दिनांक 1 मार्च 1978

स० 68018 (2)/71-प्रणा०---राष्ट्रपति, श्री ग्रार० सुन्नह्मणयन, लेखा ग्राधनारी [रक्षा मलालग (रक्षा उत्पादन विभाग) नई दिल्ली में वरिष्ठ लेखा अधिनारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर] को, भारतीय रक्षा लेखा रोवा वे नियमित संवर्ग के कनिष्ठ समयमान म, रथानापन्न के रूप में नार्य करने के लिए दिनांक 10 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्म) से ग्रागामी ग्रादेश पर्यन्त, श्रनुक्रम नियम के ग्रधीन, सह्षी नियुक्त करते हैं।

> को० एस० भीर रक्षालेखाअ ५र महानियंत्रक

नई विल्ली-110022, दिनांव 25 फरवरी 1978

स० 40011 (1)/78/प्रणा०-ए०---(1) नार्धक्य निवर्तन की प्रायु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा ग्रधिकारियों की प्रत्येक के नाम के सामने जिखी तारीख के

या	•		प्रन्तरित कर वि	दया आएगा/	1	2	3	4	
न्म 'o	नाम, रोस्टर संख्या, सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापन को भ्रन्तरण की तारीख	ा संगठन	10.	पी० एन० दातिर, (पी०/542)	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-5-78	रक्षा लेखां नियंस्नक, (श्रफसर) पूना ।
1	2	3	4	5	11.	नारायणदास	स्थायी लेखा	28-2-78	् रक्षा लेखा
	सर्व श्री					चक्रवर्ती	प्रधिकारी		नियंत्रक, (क ्टै-किक)
1	के० पद्म-	स्थायी लेखा	31-5-78	रक्षा लेखा		(पी०/617)			(फैक्ट्रीज) कलकत्ता
	नाभन-I (गी०/18)	मधिकारी		नियंत्रक, (ग्रन्य रैंक) ृदक्षिण∽ मदास	12.	माई० डी० जोशी (पी०/679)	स्थायी लेखा 🎉 स्रधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंद्रक, (मन्य रैंक) उत्तर मेरठ
2	डी०एन० भागं <i>व</i> (पी <i>०</i> /90)	स्थायी लेखा श्राधिकारी	31-3-78	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंभन) इसाहाबाद	13.	ए० पाल राज (ग्रो०/1)	स्थानापन्न लेखा श्रक्षि- कारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रकः, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
3.	ए० सी० कपूर (पी०/114)	स्थायी लेखा श्रधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	14.	वी० एस० कृष्ण मूर्ति (स्रो०/72)	स्थानापम्न लेखा श्रधिकारी	31-5-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (भन्य रैंक दक्षिण,
	एस० हरिहर	स्थायी लेखा प्र धि कारी	30-4-78	रक्षा लेखा		_			मद्रास
	ृशुभ्र मणि] (वो०/161)	आक्षकारा		नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना	1 5.	सी० एल० जोसेफ (म्रो०/251)	स्थानापन्न लेखा क्रा	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक,
5	बो० एस०	स्थायी लेखा	30-4-78	रक्षा लेखा		(310/251)	श्रधिकारी		(नौ सेना) बम्बई
	वेंकट सुटबन _(पो०230)	श्रधिकारी		नियन्नक, दक्षिणी, कमान, पूना	16.	एम० ग्रार० उपाध्याय (ग्रो०/313)	स्थानापन्न लेखा श्र धिका री	31-5-78	रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रफसर)
	•	स्थायी लेखा	30-4-78	रक्षा लेखा	.—-				पूना
ı	(यो०/260)	श्रधिकारी		नियंत्रक, द{क्षणी	l	ी के निधन कं उनको, उनके	ा महा नियंत्रक, ो खेद के साथ नाम के सामने	ग्रिधिसूचित लिखी तारी	करते हैं।
	_	स्थायी लेखा _, ग्रिधकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी े कमान, पूना	ऋम	नफरी से नि नाम रोस्टर स'ख्या सहित	काल दिया गय ग्रेड निधन ह की तारीख	 होने़ विभाग व नफरी से	Ť
	बी॰ मुखर्जी ू (पी०/275)	•	31-5-78	्रिक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ∤	}	श्री एस० I स्थ के० सिन्हा ले स्थानापन्न अ	ानाप न्न 6-11-7	— \u	7 रक्षा लेख) नियंत्रक (फैक्ट्रीज
9.	वी० राम- चन्त्रन - ्रै {(पी०/284)	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-5-78	रक्षा लेखा _ः नियंत्रकः, (धन्य रैंक)		लेखा श्रधिकारी (घो०/46)			कलकत्त

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक भ्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1978 भ्रायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण स्थापना

सं० 6/100/55-प्रशा० (राज०) 2054---राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री के० जयरमण, उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात को 9 फरवरी, 1978 के वोपहर पूर्व से श्रगला श्रादेश जारी होने तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

> का० वें० शर्वाद्रि मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय श्रीद्योगिक विकास विभाग कार्यालय, विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 फरवरी 1978

सं० ए०-19018/339/78-प्रशासन (राजपित्तत)—राष्ट्र-पितजी डा० ए० के० बैनर्जी (भारतीय सांख्यिकी सेवा के ग्रेड-II) को 7 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग विकास संगठन में तदर्थ स्त्राधार पर निदेशक (ग्रेड-II) (म्रार्थिक म्रन्वेषण) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप डा० ए० के० बैनर्जी ने 7 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्म) से विकास भ्रायुक्त (खुधु उद्योग) के कार्यालय में निदेशक (ग्रेड-II) (भ्राधिक भ्रन्वेषण) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 12 (169)/61-प्रणासन (राजपित्तत)—लघु उद्योग विकास संगठन में उप-निदेशक (रसायन) और काबुल में अफगानिस्तान सरकार में आई० टी० ई० सी० कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रतिनियुक्ति पर सामान्य इन्जीनियरी उद्योग के विशेषज्ञ श्री एन० के० सेन को, निवर्तन की श्रायु प्राप्त करने पर, राष्ट्रपति जी दिनांक 30 सितम्बर, 1975 (श्रपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति सहर्ष प्रवान करते हैं।

विनांक 23 फरवरी 1978

सं० 12 (648)/70-प्रशासन (राजपितत)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग) श्री एस० के० बसु, ग्रधीक्षक को दिनांक 2 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से ग्रगले ग्रादेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (सामान्य प्रशासनिक प्रभाग) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एस० के० बसु ने दिनांक 2 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में सहायक निदेशक (ग्रेड- Π) (सामान्य प्रशासनिक प्रभाग) के पद का कायभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 24 फरवरी 1978

सं० ए०-19018/341/78-प्रशासन (राजपित्रत)—विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) दिनांक 4 फरवरी, 1978
(पूर्वाह्न) से श्री सी० एस० चतुर्वेदी, हिन्दी अनुवादक,
कार्यालय, विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) को तदर्थ ग्राधार
पर लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक सम्पादक (हिन्दी)
के पद पर स्थानापक्ष रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्बरूप श्री सी० एस० चतुर्वेदी ने दिनांक 4 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्म) से विकास म्रामुक्त (लयु उद्योग) के कार्यालय में सहायक सम्पादक (हिन्दी) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

> वी० वेंकटरायलु उप-निदेशक (प्रशासन)

विस्फोटक सामग्री विभाग नागपुर, दिनांक 3 मार्च 1978

सं० ई०-11(7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के प्रिध्सूचना सं० ई०-11 (7) के श्रेणी 6 भाग 2 के ग्रिधीन, "एस० कार्ड-11" प्रविष्टि के पश्चात् "एस0 कार्ड-111" जोड़ा जाए।

इंगुव नरसिंह मूर्ति मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन प्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1978

सं० प्र० 1/1 (1046)—िनिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड II) श्री ए० के० शोम, 28-2-78 के अपराह्म से निवर्तनमान श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र0-1/1 (1101)—शी जदू प्रसाद, ग्रधीक्षक (ग्रधीक्षास्तर-II) श्रीर निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) दिनांक 28 फरवरी, 1978 के ग्रपराह्न से निवृन्तमान श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 6 मार्च, 1978

सं० प्र० 1/1 (253)— पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकत्ता में स्थानापन्न उप निदेशक श्री एस० के० मिल्लिक दिनांक 28 फरवरी, 1978 को निवर्तमान श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र०-1/1 (322)—पूर्ति तथा निपटान महानिदे-णालय, नई दिल्ली में स्थायी निदेशक श्री पी० सी० माथुर दिनांक 28-2-78 के श्रपराह्म से निवृत्तमान श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

(प्रशासन श्रनुभाग-6)

दिनांक 27 फरवरी 1978

सं० प्र०-6/247 (267)—पूर्ति तथा निपटान महा-निदेणालय के श्रधीन बर्नपुर निरीक्षणालय में भारतीय निरी-क्षण सेवा की धातु-रसायन णाखा (श्रेणी-I) के ग्रेड II में स्थायी उप निदेशक निरीक्षण (धातु रसायन) श्री बी० बी० बनर्जी दिनांक 31-1-78 के श्रपराह्न से निवृत्तमान श्रायु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

> सूर्य प्रकाश उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय

इस्पात विभाग

लोहा स्रोर इस्पात नियंत्रण

दिनांक 21 जनवरी 1978

सं० ईस्को (मुग्रावजा/नीत)/10893.—भारतीय लोहा ग्रीर इस्पात कम्पनी (शेयर ग्रर्जन) (1976 के केन्द्रीय प्रिधिनयम 89) की धारा 5 (2) के अन्तर्गत भुगतान आयुक्त की हैसियत से मुझे दिये गये प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं श्री एस० ग्रार० बख्याचौधुरी को जिनकी नियुक्ति केन्द्रीय सरकार के ग्रधिकारी की हैसियत से इस्पात विभाग की श्रधिसूचना सं० उद्योग 11-8 (108)/76 दिनांक 27-1-78 के माध्यम से की गई थी ग्रीर जिसकी सूचना हमें 27-1-78 के माध्यम से की गई थी ग्रीर जिसकी सूचना हमें 27-1-78 के माध्यम से की गई थी, मैं एतद्द्वारा प्रपने लिए ग्रीर ग्रपनी ग्रोर से भुगतान ग्रायुक्त के रूप में उक्त ग्रधिनियम की धारा 8 ग्रीर 10 में प्रदत्त सभी या किसी भी ग्रधिकार के सम्पादन के लिए प्राधिकृत करता हूं।

पी० के० सरकार भुगतान स्रायुक्त

खान विभाग भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 4 मार्च 1978

सं० ए०-19012 (56)/73-स्था० ए०--राष्ट्रपति श्री बी० संजीवा राव, सहायक अनुसंधान ग्रिधकारी (१४०

प्र०) को 14 फरवरी, 1978 के भ्रपराह्न से स्थानापम रूप से भारतीय खान ब्यूरो में सहायक श्रयस्क प्रसाधन श्रिधकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

> एच० के० तनेजा प्रशासन ग्रधिकारी कृते नियंत्रक

(खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1 मार्च 1978

सं० 1861/बी०/40/59/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक श्रधिकारी श्री टी० पी० गांगुली सराकारी सेवा से वार्धक्य निवर्तन पर 31 दिसम्बर, 1977 (श्रपराह्म) से निवृत्त हो गए।

सं० 1878 बी० 40 59 (जै० एन० जी०) 19 ए०— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक जी श्री जे० एन० घोष, प्रशासनिक श्रधिकारी का त्यागपत्र भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 16-12-1977 (ग्रपराह्न) से स्वीकार कर रहे हैं।

बी० एस० क्रुष्णस्वामी महानिदेशक

म्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1978

सं० 10/112/71 एस० III—महानिदेशक, श्राकाशवाणी श्री बाबू डी० को श्राकाशवाणी इन्दौर में दिनांक 14-11-77 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

विनांक 2 मार्च 1978

सं० 10/93/77-एस० III—महानिदेशक, श्राकाशवाणी श्री हरिश कुमार गुप्ता को श्राकाशवाणी श्रहमदाबाद में दिनांक 17-1-78 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थाना-पन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्च० कु० बसु प्रशासन उपनिदेशक **कृते** महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1978

सं० 6 (22)/62-एस०I—-महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री र० महादेवन, एक्सटेन्शन आफीसर, श्राकाश-वाणी, मद्रास की, श्राकाशवाणी, मद्रास में 17-2-1978 से अग्रेतर श्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज प्रशासन उपनिदेशक इसे महानिदेशक

सूचना श्रीर प्रसारण महालय

फिल्म प्रभाग

नई दिल्ली-1, दिनाक 28 फरवरी 1978

स० ए.०-20012/1/71-एफ० डी० (प्रशासन)—श्री के० सी०, बीखजन्दानी तदर्थ भण्डार श्रधिकारी, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली को श्री एस० के० राय के श्रवकाण लेने पर उनके स्थान पर 13 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से 23 मार्च, 1978 तक कार्यवाहक सहायक प्रणासनिक श्रधिकारी, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली में नियुक्त किया गया।

स० न० सिह महायक प्रशासन श्रिधिकारी कृसे मुख्य निर्माता

फिल्म समारोह निवेशालय नई दिल्ली, दिनाक 13 मार्च, 1978

स० 2/1/78—एफ० एफ० डी०—-25वे राष्ट्रीय फिल्म समारोह--1978 के प्रवेश पत्न भरने और फिल्म के प्रिन्टम जमा कराने की तारीख 15 से 21 मार्च, 1978 तक बढा दी गई है।

बी० एस० कटारा फिल्म निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1978

स० ए० 32012/1/76-(एम० जे०)/प्रशासन-1--इस निदेशालय की दिनाक <math>31 स्रक्तूबर, 1977 की स्रिधसूचना सख्या ए० 32012/1/76-(एस० जे०)/प्रशासन-1 में "8 स्रक्तूबर <math>1977" शब्दों व स्रकों के स्थान पर क्रुपया "8 स्रगस्त 1977" पढ़ें।

दिनाक 6 मार्च 1978

स० ए० 12024/5/76 (के० स्वा० शि० ब्यूरो) प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० पी० चक्रनर्ती को 19 दिसम्बर, 1977 पृत्रिक्त से ग्रागामी ग्रादेशो तक केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा न्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली मे प्रचार श्रिशिकारी (श्राडो-विजुयल एड्स), के पद पर नदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

म० ए० 12025/43/76-प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने डा० कुलदीप कुमार माधुर को 19 मई, 1977 पूर्वाह्न से श्रागामी आदेगो तक राष्ट्रीय सचारी रोग संस्थान, दिल्ली मे श्रनुस्थान अधिकारी (एन्टोमोलोजी) के पद पर श्रम्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

णाम लाल कुटियाला उप निदेशक प्रशासन (उ० एव प०) नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1978

स० ए० 19019/25/77 के० स्वा० से०-ा—स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने डा० (कुमारी) एस० विजयलक्ष्मी को 24 दिसम्बर, 1977 के अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बगलौर मे आयुर्वेदिक फिजिणियन के पद पर श्रस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

डा० एम० बी० सिंह ने 24 दिसम्बर, 1977 श्रपराह्म मे केन्द्रीय सरकार स्थास्थ्य योजना, बगलौर मे श्रायुर्वेदिक फिजिशियन (तदर्थ) के पद का कार्यभार छोड दिया है।

एन० एस० भाटिया उप निदेशक

वन साधनो का निवेश पूर्व सर्वेक्षण देहरादून, दिनांक 4 मार्च 1978

कमाक 3-2/78-प्रणासन—श्री पी० एस० ग्रहलुवालिया जो कि वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) रक्षा प्रभाग के ग्रनु-भाग ग्रिधकारी हैं, को वन साधनों के निवेश पूर्ण सर्वेक्षण, देहरावून में कृषि व सिचाई मत्रालय (कृषि विभाग) के पत्र क० 30-4/76-ई० ई०-1/वन स्था० दिनाक 30-1 2-77 में दी गई प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर दिनाक 24-2-76 की पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेण तक प्रशासन ग्रिधकारी नियुक्त किया जाता है।

एस० बी० पालित मुख्य संयोजक

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय श्रौर भण्डार निदेशालय बम्बई-400001, दिनांक 23 फरवरी 1978

स० 2/1 (16)/77 प्रशा०/7414—इस निदेशालय की समसंख्यक ग्रिधसूचना दिनाक 29 दिसम्बर, 1977 के तारतम्य मे निदेशक, क्रय ग्रीर भण्डार परमाणु ऊर्जा विभाग श्री परारी किजाकोहन राधाकृष्णन, प्रभारी भडार यूनिट (कमानि०) बी० ई० सी० परियोजना कलकत्ता को सहायक भंडार श्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप ग्रिग्रिम समय 29 ग्रिप्रेल, 1978 तक इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी सहायक कार्मिक श्रधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनाक 1 मार्च 1978

स० ए० एम० डो०-1/28/77-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभागके, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री श्रार० गजापती राव को 14 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्म से लेकर श्रागामी श्रादेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/इंजीनियर, ग्रेड 'एस० बी०, नियुक्त करते हैं।

सं० ए० एम० डी॰-1/28/77-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री पी० राजशेकरन को 13 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्म से लेकर श्रागामी श्रादेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/इंजीनियर, ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

> एस० रंगनाथन वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा श्रधिकारी

श्रन्तरिक्ष विभाग भारतीय श्रन्तरिक्ष श्रनुसंधान संगठन श्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

ग्रहमदाबाद-380053, दिनांक 23 फरवरी 1978

सं० श्रं० उ० के० /स्थापना/टी० ई एस० सी०/13/78— निदेशक, श्री श्रानन्द स्वरूप श्रग्रवाल को श्रन्तरिक्ष विभाग, भारतीय श्रन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के ग्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में इंजीनियर एस० बी० के पद पर श्रस्थायी रूप में दिनांक 14 नवम्बर, 1977 से श्रागामी ग्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

> प्रधान कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन

एस० जी० नायर

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

सं ० ए०-39013/6/77-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस०के० सिंह, सहायक विमानक्षेत्र ग्रिधिकारी मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास का दिनाक 31 दिसम्बर, 1977 ग्रपराह्म से सरकारी क्षेत्रा से त्यागपत्न स्वीकार कर लिया है।

> सुरजीत लाल खंडपुर सहायक निवेशक

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1978

सं ० ए-32013/9/77 ई ०→-राष्ट्रपति ने श्री पी० झार० चन्द्रशेखर उपनिदेशक श्रनुसंधान तथा विकास को दिनांक 19 सितम्बर,1977 से 31 जनवरी, 1978 तक की श्रवधि के लिए तदर्थ श्राधार पर निदेशक श्रनुसंधान एवं विकास के पट पर नियुक्त किया है।

> प्रेम चन्द जैन, सहायक निदेशक प्रणासन

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1978

सं० ए०-38013/3/77-ई० ए०—मूल नियम 56 (के) के उपबन्धों के ग्रधीन श्री एल० ए० लोको, सहायक विमान क्षेत्र श्रिधिकारी, बम्बई एयरपोर्ट, दिनांक 31 दिसम्बर, 1977 श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

> विश्व विनोद औहरी सहायक निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, विनांक 2 मार्च 1978

सं० ए०-32014/4/76-ई. सी०---महानिदेशक नागर विमानन ने श्री सी० पी० राव, तकनीकी, सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन अम्बई को दिनांक 15-11-1977 (पूर्वाह्न) से तदर्थ श्राधार पर सहायक तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है श्रीर उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

> सत्य देव शर्मा उप निदेशक प्रशासन

कन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय पटना, दिनांक 1 मार्च 1978

मि०सं० II (7) 1-स्था०/77/2005—इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 192/77 विनांक 30-7-77 (जैसा स्थापना आदेश सं० 192/77 विनांक 30-7-77 (जैसा स्थापना आदेश सं० 327/77 विनांक 8-12-77 द्वारा संगोधित किया गया) के अनुसरण में श्री वाई ० एन ० पाण्डेय, निरीक्षक रू० 650-30-740-35-810-द ० रो० 35-880-40-1000-द ० रो०-40-1200/- तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तो के सहित वेतनमान पर स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क श्रेणी 'बीठ' के रूप में गोपालगंज सीमा शुल्क निवारण में दिनांक 15-12-77 के पूर्वास्त्र में कार्यभार ग्रहण किया।

मि० सं० II (7) 2-स्था ०/78/2007—वित्त मंद्रालय के आदेश संख्या 181/77 दिनाक 19-11-77 तथा इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 328/77 दिनाक 8-12-77 के अनुसरण में श्रोमती कोमला चौधरी, सहायक समाहर्ता, सीमा गुल्क, कलकत्ता दिनांक 7-2-78 के पूर्वाल्ल में सहायक समाहर्ता (तकनीकी) के रूप में सीमा गुल्क (मु०), पटना में कर्यभार ग्रहण किया।

ए**च**० एन० साहू समाहर्ता क्षेन्द्रीय उत्पाद, पटना

केन्द्रीय जल प्रायोग

नई दिल्ली-22, दिनाक 1978

सं ० का ०-12017/5/76-प्रशा ० पांच---प्रधिसूचना सं ० 19012/18/77-प्रशा ० पांच दिनांक 18 जनवरी, 1978 के अनुक्रम में प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री बी० के ० गोस्वामी की वेतनमान र ० 650-30-740-35-810-द ० रो ० 35-880-40-1000-द ० रो ०-40-1200 में सहायक श्रनुसंधान श्रिकारी

(रसायन) की श्रेणी में गौहाटी गेजिंग प्रभाग, गौहाटी में तदर्थ नियुक्ति पूर्णतया ग्रम्थायी ग्राधार पर ग्रगसे चार महीने की ग्रविध के लिए ग्रथित 1-3-78 से 30-6-78 तक ग्रथवा जब तक कि एक नियमित ग्रधिकारी इस श्रेणी में उपलब्ध नहीं हो जाते, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

सं० क ०-12017/5/76-प्रशा० पांच—अधिसूचना सं० क ०-12017/5/76-प्रशा० पांच दिनौंक 7 दिसम्बर, 1977 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एस ०ए० शाह की वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द०रो० 35-880-40-1000-द०रो० 40-1200 में सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) की श्रेणी में कोयम्बटूर गेंजिंग प्रभाग, कोयम्बटूर, केन्द्रीय जल आयोग में तदर्थ नियुक्ति पूर्णत्या अस्थायी आधार पर अगले चार महीने की अवधि के लिए अर्थात 1-3-78 से 30-6-78 तक अथवा जब तक कि एक नियमित अधिकारी इस श्रेणी में उपलब्ध नहीं हो जाते, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

दिनांक 28 फरवरी 1978

सं० ए० 32014/1/77-प्रणा० पांच-विभागीय पदोन्तित सिमिति (श्रेणी-बी) की सिफारिणो पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित अधिकारियों को, जो वर्तमान समय में श्रतिरिक्त सहायक निदेणक/सहायक अभियंता की श्रेणी में स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं, उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से रू० 650-30-740-35-810 द०रो० 35-880-40 1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं:—

		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
ऋम	श्रधिकारी कानाम एवं	नियमित रूप से नियुक्ति की
सं ०	पदनाम	ता रीख
 1	श्री भ्राई० भ्रार०एस०सुका-	· — — — — — — — — — — — — — — — — — — —
1.	मनयम, सहायक श्रभियंता	5-7-77 (पूर्वाह्म)
2.	कुमारी यसुना देवी टी ० एस ०,	5 , , , (4(a)
	सहायक श्रभियंता	21-7-77 (पूर्वाह्न)
3.	श्री वी ०वी ० रामना सर्मा,	10 41
	सहायक भ्रभियंता	31-8-77 (श्र परा ह्न)
4.	श्री सी ०वेकंटा राव, सहायक	, .,,
	म्रभियंता	28-7-77 (पूर्वाह्न)
5.	श्री रथीन्द्र लाल दत्ता, ग्रति-	
	रिक्त सहायक निदेशक	30-9-77 (पूर्वाह्न)
6.	श्री ए ० के ० वालसलन सहायक	
	भ्रभियंता	5-11-77 (पूर्वाह्न)
7.	श्री एन ० के ० राय, सहायक	
	ग्र भियंता	7-9 - 77 (पूर्वाह्न)
8.	श्री बी ० वेकंटा राव, सहायक	•
	ग्रभियंता	14-10-77 (पूर्वाह्स)
9.	श्री के ०सी ०ईवीकुल्ला,	
	सहायक भ्रभियंता	10-10-77 (पूर्वाह्न)

(2) उपरोक्त अधिकारी प्रत्येक के सम्मुख दी गई तारीखो से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेगे।

> जे० भें० साहा, श्रवर सचिव

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग निर्माण महानिदेशालय नई दिल्ली दिनांक 1 मार्च 1978

सं ० 23/2/77-ई ०सी ० II— केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्निलिखित ग्रिधिकारी वार्धक्य ग्रायु (58 वर्ष) प्राप्त होने पर विनाक 28 फरवरी, 1978 (ग्रपराह्न) से सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्ति हो गए:—

नाम व पद	कार्यालय
1. श्री हरभजन सिंह मुख्य इंजीनियर	दिल्ली प्रशासन, नई दिल्ली
2. श्री एन ० समन्त कार्य पालक क इंजीनियर (वि०)	प्रंडमान लोक निर्माण विभाग, पोर्ट ब्लेयर
3. श्री एन ० के ० चक्रवर्ती कार्य- पालक इंजीनियर (वि ०)	कलकत्ता विमानन विद्युत, मंडल, कलकत्ता-700020
 श्रो बी ०पी ०गुप्ता कार्यपालक इंजीनियर (सिविस) 	मृत्यन एकक VII, के न्द्रीय प्रत्यक्ष कर परिषद कलक रा ।
· ———	सु ०सू ०प्रकाश राव प्रशासन उप निदेशक
<u></u>	कृते महानिदेशक (निर्माण) —

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1978

सं ० 33/12/73 ई ०सी ० 9/27/49/77-ई ०सी ०9—-राष्ट्र-पित, संघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा नरभित श्री ग्रार ०एल ० श्रमवाल की केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 1100-50-1600 रू० (तथा सामान्य भत्ते) के वेतन मान में 1100/- रूपये प्रतिमास वेतन पर सामान्य शर्तो पर 18-2-78 (पूर्वाह्न) से वास्तुक के ग्रस्थायी पट पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-ए०) नियुक्त करते हैं।

2. श्री ग्रग्नवाल 18-2-1978 पूर्वाह्न से दो वर्ष की ग्रविध के लिए परिवीक्षा पर रखे जाते हैं।

> डी ० पी ० म्रोहरी प्रशासन उपनिदेशक

''क्रम्पनी <mark>ग्रधिनियम 1956 श्रौर श्रार ०एस</mark> गप्ता स्टील रोलिग एण्ड जनरल, मिल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में''

जालंधर दिनांक 28 फरवरी 1978

सं ० जी ०/एस ०सी ०म्राई 60/560/3354/13110—कम्पनी म्राधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण में एतब्द्वारा सूचना दी जाती हैं कि श्रार ० एस ० गुप्ता स्टील रोलिंग एण्ड जनरल मिल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> सत्य प्रकाण तायल कम्पनियो का रजिस्ट्रार पंजाब, हि० प्र० एवं चंडीगढ़

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 भौर उड़ीसा मिनरल्स एन्ड केमिकल्स लिमिटेड के विषय में।

कटक, विनांक 4 मार्च 1978

सं० एस० उ०/643/6576(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा सूचनादी जाती है कि उड़ीसा मिनरल्स एन्ड केमिकल्स लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गया है।

> दिलीप कुमार पाल कम्पनियों का रजिस्ट्रार उड़ीसा

कस्पनी ग्रंधिनियम, 1956 श्रौर सास्ता फिलमस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-६, दिनांक 6 मार्च 1978

सं ० 4605/560(3)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सास्ता फिलमस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> सी० **प्र**ध्युतन, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाडु

संगठन भ्रौर प्रबन्ध सेवा निदेशालय (ग्रायकर) नहीं दिल्ली-110002, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं ० 37/7/78-ए डी/डी भ्रो एम एस/1645—श्री हरिशंकर श्रीवास्तव, श्रायकर ग्रिधकारी वर्ग-I, ने श्रपने प्रतिनियुक्ति के चयन पर संगठन ग्रोर प्रबन्ध सेवा निदेशालय (श्रायकर), नई दिल्ली में दिनांक 9 फरवरी, 1978 पूर्वाह्न से सहायक निदेशक के पद पर कार्यभार सम्भाल लिया है।

जगदीश चन्द्र निदेशक

ग्रमृतसर, दिनांक 6 मार्च 1978

स॰ सी॰ बी॰-4/जिल्ड-6/2683—स्थी एस॰ एल० धरमानी, ग्रायकर ग्रधिकारी द्वितीय श्रेणी, की मृत्यु 26-2-1978 को हो गई है।

> ब ० र० भ्रवरोल श्रायकर भ्रायुक्त श्रमृतसर

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के घाधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंग-II, दिल्ली-1 नई दिल्ली-1, दिनांक 3 मार्च 1978 निर्द्रेण सं० ग्राई० ए०्सी०/एक्यु०/11/1299/77-78---

यतः मुझे, एन० एस० चोपड़ा,
आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रश्वात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रधिक है

स्रोर जिसकी सं ० 25/134 है तथा जो शक्तिनगर, दिल्ली में है (स्रोर इससे उपाबंद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जुलाई 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः स्रव, उक्त स्रधिनियम को धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त स्रधिनियम की धारा 269-घ की रणधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:- " 1 श्रोमती सुशीला रानी उपनाम सुशीला भ्रम्भवाल उपनाम सुशीला देवी धर्मपरनी श्री राजेन्द प्रसाद निवासी 25/134 शक्तिनगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

- 2 श्री देवेन्द कुमार गोयल पुत्न श्री छेदालाल श्रीमती अतर कली धर्मपत्नी श्री ग्रोम प्रकाण गुप्ता निवासी, 2202 मसजिद खजूर, दिल्ली। (श्रन्तरिती)
 - 3 मसरान्यू सुपर कोभ्रापरेटिव कन्जूमर वह ब्यक्ति जिसके श्रिधिभोग म सम्पत्ति है)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिएकार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सन्यत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेय--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त मित्रिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्रनुस्ची

एक तीन मंजिला मकान जो कि लगभग 200 वर्ग गज के प्लाट पर बना है तथा मकान नं ० 25/134 शक्ति नगर में निभ्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व : सड़क 4. फु

पश्चिम: स्विंस रोड 15 फुट दक्षिण: बिलर्डिंग ० 25/133 उत्तर: बिलर्डिंग नं० 25/139

> एन ० एस ० चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली,नई दिली-1

तारीख : ? मार्च 1978

मोहर

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना-411004,दिनांक 13फरवरी 1978 निर्देश सं० सी०ए०5/जुर्क 77/थाना/349---यतः, मुझे,

श्रीमती पी० ललवानी, ब्रायकर श्रिधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/~ रुपये से श्रधिक है, ग्रौर जिसकी सं० स०ऋ० 2-एच०; ऋ० 1-सी० टी० एस० क्रा 77, टिक्काक ० 15 है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रीर इससे जपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, थाना में रजिस्ट्रीकरण ग्रधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-7-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक (ग्रन्तरकों) स्रोर है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक इन्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- शिगोविंद हिराजी नाखवा "स्मीना", युनाइटेड स्पोर्टस वर्क पिछे चेंदणी, कोलीवाडा, थाना (ईस्ट) (ग्रन्तरक)
- 2 भे०एम०एफ० मोरे एंड कम्पनी "देवदया', विष्णु नगर, नौपाडा, थाना (श्रन्तरिती) की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उपत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपद्य में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही प्रथं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

धनुसूची

प्रापर्टी--स० क 2, हिस्सा क 1-सी० टी०एस०, क 0 77, टिक्का क 0 15 विष्णु नगर, नौपाडा, बाजी प्रभू देशपांडे, पथ, तालुका श्रौर निलाठ थाना ।

क्षेत्रफल--- 577.00 वर्ग यार्डस ।

(जैसे कि रिजिस्ट्रोक्टत विलेख कि 200 दिनांक 30-7-77 को सब-रिजस्ट्रार थाना के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रीमती पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 13-2-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269 थ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 मार्च 1978

निर्देश सं० 13687/म्रर्जन/देहरावून/77-78—यतः, मुझे, म्रार०पी० भागव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बेहरादून में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को 15 प्रतिशत से भिष्ठक है भीर घन्तरिक (घन्तरिकों) को प्रमन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त भिधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भ्रास्तियों को जिम्हें भारतीय भाय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपघारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:—— शि श्रिगेडियर लक्ष्मी नरायन, सभरवाल, कर्नल जगद्दीश नारायन सभरवाल, कर्नल श्रोम प्रकाश सभरवाल एवं सूरज नारायन पुत्रगण स्वर्गीय श्री शिव नारायन सभरवाल निवासी 1, वीरपुर स्टेट देहरादून द्वारा एटार्नी क्रिगेडियर लक्ष्मी नारायन सभरवाल

(भ्रन्तरक)

- 2 राकेश कुमार बेमल पुत्र स्वर्गीय धर्म प्रजाश बंसल निवासी नं० 3 धामवाला बाजार, देहरादून अपन्तरिती)
- 3 श्री म्राई०सी० स्वामी, मीना गढ़वाल (वह ब्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भध्याय 20 क में परिभा-षित हैं, वही भर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रजल सम्पत्ति एक मंजिला मकान २० 35/48 स्थित नेणनल रोड देहरादून 70,000) के विकय मूल्य में बेची गई।

> ग्रार० पी०भार्गव सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-3-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 8 मार्च 1978

निद्रेश सं० 9678/ग्रर्जन/बु० शहर/77-78——यतः, मुझे, श्रार० पी० भार्गव,

भ्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं; अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद म, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 21-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त धन्तरण लिखन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम, के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उन्त मिधिनियम की धारा 269ग के म्रनुसरण में, मैं, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधोन निम्नोलेखिन व्यक्तियों, अर्थात्:--

- शी तुलाराम उर्फ तुल्ली पुत्र दाल सिंह निवासी ग्राम मोहम्मदपुर, गूजर प० दनकौर जिला बुलन्दशहर (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती लखमीरी पत्नी बच्चू सिंह श्रीमती कलावती पत्नी जिला सिंह नि० समाउद्दीन पुर चन्दवती पत्नी महर चंद व भरपाई पत्नी धर्मवीर नि० कैमराला प० दनकौर जिला—बुलन्दशहर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोकत सम्मित के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20 कमें परिभाषित है, वहीं घर्ष होगा जो उस घध्याय में दिया गया है।

अभुसूची

अवल सम्पत्ति भूमि 9 बीघा 12 बिस्यास्थित मोहम्मदपुर, प ० दनकोर जिला बुलन्दशहर 50,000 ० के विक्रय मत्य में बेची गई ।

> श्रार० पी० भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण अर्ज्ञन रेंज, कानपुर

तारीख : 8-3-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 8 मार्च 1978 श्रर्जन/951-ए०/ब० शहर/77-78⊸

निर्देश सं० श्रजैन/951-ए०/बु० शहर/77-78⊸–यतः, मुझे, भ्रार०पी०भार्गव,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से प्रधिक है,

ग्नौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यान्ध्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रनूपणहर म, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के श्रधीन, तारीख 3-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से घिषक है और झन्तरक
(धन्तरकों) और झन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे झन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया
है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष को बाबत, उक्त प्रधिनियम, के भ्रामीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में करो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269 ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित स्पक्तियों, प्रथित :---

- 1 श्री शिव सिंह पुत्र शेर सिंह निवासी ङगराज जाट परगना व तहसील अनूपशहर जिला बुलन्दशहर (अन्तरक)
- 2 श्री लखमी चन्द व बाब्राम पुत्रगण अगराज जाट पो० सखनी परगना व तहसील श्रनूपशहर जिला बुलन्दशहर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रचल सम्पत्ति कृषि भूमि 5 बीधा 14 विस्वा 7 विस्वांसी स्थित ग्राम जहांगीराबाद तहसील श्रनूपशहर जिला बुलन्दशहर 55,000 रुपए में बेची गई

> ग्रार० पी० भार्गव सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीखा : 8-3-1978

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 मार्च 1978

निर्देश सं० एसीक्यु०/1095 ए०/बु० शहर/77-78~-यत:, मुझे, श्रार० पी० भार्गव,

षायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० है, तथा जो स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रनूपशहर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रिधीन, तारीख जन 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रध-नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के प्रनु-सरण म, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, प्रयात्:——

- श्री शिव लाल पुत्र किडामल निवासी बन्धीर परगना दिवाई तह० अनूपशहर जिला बुलन्दशहर (अन्तरक)
- श्रीमती शीला देवी स्त्री दिगम्बर लाल शर्मा ग्राम पन्ना पो० गंगावाली तह० खुरजा जिला बुलन्दशहर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के ग्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकामन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति कृषि भूमि खाता नम्बर 165 व 62 जो कि 6 बीघा 19 विस्वांसी स्थित बुलन्दशहर 36,000 रुपए में बेची गई ।

> श्रार० पी० भागँव सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 8 3-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०———— आयकर भिभिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के भिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (मिरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1978

निर्देश र्स० प्रर्जन/884/म्रागरा/77-78---यतः, मुझे, म्रार० पी० भार्गव,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य, 25,000/- ६० से भिधिक है

स्रौर जिसकी सं० भ्रनुसूची के स्रनुसार है, तथा जो भ्रनुसूची में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, श्रागरा में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 26-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक स्पर् मे कथित महीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भण्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या भन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया गान। बाहिए था, कियाने में सुविधा के लिये।

भतः भन, उनत मधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त मधिनियम की घारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
3—516GI/71

- शीमती गायत्री देवी स्त्री शास्ती स्वरूप गोमल निवासी 20 नेहरू नगर श्रागरा (श्रास्तरक)
- 2. श्री विनोद सिंह जैन पुत्र जालिम सिंह जैन 9/355 मोती कटरा श्रागरा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना <mark>जारी कर</mark>केपू**र्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन कै** लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ता तिख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तांमील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी प्रन्य क्यकित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के शब्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसुच्चो

श्रचल सम्पत्ति मकान नं० 36/330 (कोठी नं० 86) नेहरू नगर श्रागरा (205000 स्पए में बेची गई।

> आर० पी० भागेंव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त, निरीक्षण श्रजैन रेंज, कानपुर

तारी**ख** : 10-3-1978

प्ररूप भाई० टो० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1978

निर्देश र्सं श्रर्जन/1018 ए०/बु० शहर/77-78--यत, मुझे, ग्रार०पी० भागेंव,

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

प्रीर जिसकी सं० प्रनुसूची के प्रनुसार है, तथा जो प्रनुसूची में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून 1977

श्रधान, ताराख जून 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक
कप से कांचत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रिचित्तयम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र उस्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाद:—

- श्री रामचन्द्र पुत्र कन्हैया निवासी ग्राम पिपासा पो० ग्रीरंगाबाद परगना स्थाना जि० बुलन्दशहर (भ्रन्तरक)
- श्री स्योदान सिंह, जीत सिंह, राजेन्द्र सिंह, ग्रागमवीर मिंह, श्रशोक सिंह पुत्नाण सरदार सिंह व सुमिता देवी स्त्री जगवीर सिंह निवासी ग्राम पिपासा पो० ग्रीरंगाबाद परगना स्थाना जिला बुलन्दशहर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के शब्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसू ची

कृषि भूमि 7 बीघा 4 बिस्वा 15 विस्वासी स्थित परगना स्याना जिला बुलन्दशहर 45000 रुपए में बेची गई।

> ग्रार० पी० भार्गव सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-3-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 10 मार्च 1978

निर्देश सं० प्रर्जन /826/कानपुर/77-78—यतः मुझे, श्रार०पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिषक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के दायिस्य में कमी करन या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए; ग्रीर/या
- (बा) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:---

- भी गुरुशंकर चौधरी 113/331 अशोक नगर कानपुर (अन्तरक)
- मे० ग्रग्रवाल प्लास्टि इन्डस्ट्रीण प्रा० लि० 111/ 384 ग्रगोक नगर कानपुर द्वारा राजेन्द्र कुमार ग्रग्रवाल डाइरेक्टर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, ओ भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति मकान नं० 148 बी० दादानगर कानपुर 95000 रुपए में बेची गई ।

> न्नार० पी० भागंव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण श्रजन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-3-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार कार्यावय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1978

निर्देश सं० रेजिन/1016 ए०/बु० शहर/77-78---यतः, मुझे, आर० पी० भागेव, बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे

इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधितयम' कहा गम है), की खारा 269 के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनु। सारहै, तथा जो श्रनुसूची में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बुढ़ाना में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है और प्रन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित स्टेश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक हा से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबन उक्त ग्रिशिनियम, के ग्रिशीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनन ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ग्रें सुविद्या के सिए:

बतः, वय, उपत मिश्रिनियम की घारा 269-ग के बपुतरण में, में, उपत मिश्रिनियम की घारा 269-थ की प्रवादा(1) के बचीन निभ्मलिखित स्विक्तयों अवितः ---

- 1. श्री साह्य सिंह पुत्र खिला निवासी ईसापुर परनमा कन्धला तह० बुढ़ाना जिला मुजफ्फरनगर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री कला पुत्र मुख्तार, भोला पुत्र खचेड़ू पीताम्बर सिंह, पल्ला व कृपाल पुत्र गगनू सिंह श्रोम प्रकाश व पीतम (ना० बा०) पुत्र तिलका द्वारा श्रोम प्रकाश निवासी ईसापुर परगना कन्धला, मुजफ्फर नगर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन, के लिए कार्यवाहियां करता ं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि
 जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के
 भीतर प्रवितन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
 द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किथे जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रष्टयाय 20 क में परिभाषित हैं, बही श्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अमुसूची

कृषि भूमि 15 बीचा 3 विस्वा स्थित ग्राम ईसापुर परगना कन्धला जिला मुजफ्फरनगर 61425 रुपए में बच गई ।

> श्रार० पी०भागंव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-3-1978

प्ररूप प्रार्थ० टी० एम० एस०---

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1978

निर्देश सं० ग्रर्जन/983-ए/रुड़की/77-78—यतः, मुझे, ग्रार०पी०भागंत्र,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है

श्रौर जिसकी सं ध्रमुसूची के श्रमुसार है, तथा जो श्रमुसूची में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रुड़की में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुन 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन व अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रभीन निम्नसिक्त व्यक्तियों श्रवीत् :---

- ा श्री श्रब्दुल पुत्र श्रल्लादिया, श्रहसान इसाही व मो० मलीम व नसीम पुत्र श्रब्दुल द्वारा श्रीमती ग्राणी नि ० ग्राम रनसुरा प० व तह ० च्ड्रकी जिला सहारनपुर (भ्रन्तरक)
- 2. श्री सईव ग्रहमद, सलीम ग्रहमद, नसीम ग्रहमद पुत्रगण ईशाक, जाहिद हसन, श्रब्धुल हसन मो ० इकबाल व मो ० इसलाम पुत्रगण यासीन द्वारा मो ० यासीन (पिता व नेचुरल गाजियन), मो ० श्रमील, मो ० गालिब, मो ० तालिब, मो ० ग्रमील, मो ० ग्रारिफ, मो ० नफीश पुत्रगण कासिम निवासी ग्राम रनसुरा प० व तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्ण होगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है

अनुसूची

कृषि भूमि 17 बीघा 19 विस्वा स्थित ग्राम रनसुरा तहसील घड़की जिला सहारनपुर 54000/- रुपए में बेची गई।

> स्रार० पी० भागंव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज, कानपुर

तारी**ख**ः 10-3-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1978

निदेश सं० अर्जन/971-ए०/गा० बाद/77-78—स्यतः, मुझे, ग्रार०पी० भागव,

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० श्रनुसूची के अनुसार है, तथा जो श्रनुसूची में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धनकर मिधिनियम, या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, म उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रवीत्:— भी भगत राम पुत्र करहैया निवासी चन्द्रावली परगना सिकन्दराबाद, गाजियाबाद

(भ्रन्तरक)

2. श्री हरपत सिंह व धनपाल सिंह पुत्रगण राजाराम निवासी चन्द्रावली परगना सिकन्दराबाद व हरपती देवी स्त्री राम चन्दर निवासी कैला गाजियाबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण—६समें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त ध्रधिनियम के शध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही प्रश्ने होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 बीघा 10 विस्ता 10 विस्वासी स्थित ग्राम चन्द्रावली परगना सिकन्दराबाद जिला गाजियाबाद 60000 रुपए में बची गई ।

> ग्रार० पी० भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख**: 10-3-1978

त्ररूप ग्राई० टी॰ एन० एस०---

ध्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, धारवाड़-580004

धारवाङ-580004, दिनाक 9 मार्च 1978

निर्देश सं० 208/17-18/क्रर्जन--यतः, मुझे, डी० सी० राजागोपालन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० एम० नं० 924 (पुराना 860 (नया) स्रास्मेंट नं० 884 है, तथा जो त्रि० एच० रोड, स्ररसिकेंरे में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, श्ररसिकेरे श्रंडर डाकुमेंट नं० 3295/71-78, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 13-7-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है सौर मुझे बढ़ विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से प्रक्रिक है सौर सन्तरक (सन्तरकों) सौर अन्तरिती (सन्तरितयों) के श्रीच ऐसे सन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत सन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भन्निः नियम, के भन्नी कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (व) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 21) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिनाने में सुविधा के लिए,

भन: भन, उक्त प्रधिनियम को धारा 269म के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित भ्यक्तियों, प्रथात् :---

- श्री एस० नंसगपा, सुपुत्र संवागौडा.
 - (2) कुमार लक्ष्मी नारायण सुपुत्र नंसाप्पा,
 - (3) कुमार शाता कुमार सुपुत्र नंसाप्पा,
 - (4) कुमार सीधार सुपुत्र नंसाप्पा
 - (5) कुमार गिरिश बाबु सुपुन्न नंसप्पा, मेसर्स कावेरी सोप नट इंडस्ट्रीज, नीयर स्रोपेश, मैसूर सीटी

(अन्तरक)

2. श्री एस०एम० वीराभद्रप्पा सुपुत्र कलाजप्पन मारुलप्पा ओहिहल्लि होबली, सिंगटागरे-होबली, कडूर-तालुक चिकमगलूर-जिला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं भर्ष होगा, त्रों उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ग्रार०सी०सी० का मंजला ग्रौर खुला मैदान बी० एच० रोड के यहां है । ग्ररसिकेरे मुनसिपल का सं० 924 (पुराना) 860)नया(, ग्रसस्मट नं० 884।

> डी०सी० राजागोपालन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, धारवाड़

दिनांक: 9-3-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, धारवाइ-580004

धारवाड्-580004, दिनाक 9 मार्च 1978

निर्देश सं० 207/77-78/म्रर्जन---यतः, मुझे, डी०सी० राजागोपालन,

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— द० से भिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2535, 2536 श्रीर 2537 है, तथा जो फोर्ट एरिया, होलेनरसापुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, होलेनरसापुरा, श्रंडर डाकुमट नं० 2448 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख 16-7-1977 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, काधारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- वाय भ्रनंतराजन, श्रसिस्टेट प्रोफेसर, पि० एस० जि० कालेज भ्राफ टक्नोलाजि, कोयम्बक्तर
- (2) श्री जीवन शकर, लेगकरर, इडियन इन्स्टीट्यूट श्राफ सायस्न, बंगल्र,
- (3) श्री एम० पाड्रगा विठ्ठल, फोरमैन, बोकारो स्टील आर्ट बिहार,
 - (4) श्रीमती सरोजम्मा पत्नी लेद सियारयल नं० 1 के हाथ है,
 - (5) कुमारी एच० एन० कालावति,
 - (6) कुमारी नवीनम्बा,
 - (७) कुमारी विमला बाई,
 - (8) कुमारी लीलावती

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० एस० परमेश्वरय्या

(2) श्री ए०एस० महादेवय्या श्रीर ए०एस० श्रीधरम्मा, मेसर्स एक्स परमेश्वरय्या एंड ब्रदर्स इंडियन श्राहल के व्यापारी, होलेनरसायुरा, हासेन जिला (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त भिधिनियम के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

श्च नुस्ची

दो ग्रार० सी० सी० बिल्डिंग श्रीर खुला मैदान नं० 2535, 2536 श्रीर 2537 कोर्ट एरिया में होलेनरयापूर में है ।

> डी० सी० राजागोपालन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख: 9-3-1978

प्रक्रप भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** आरा **269म (1) के प्रधीन सूचना** भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1978

निदेश सं० ए०-पी०-1759---यतः, मुझे, बी० एस० दहिया, भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम', कहा गया है) की घारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मधिक है

भ्रौर जसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है, तथा जो सराय खास (जालन्घर) में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ग्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिक्षितियम, के भिष्ठीम कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ब) ऐनो किसी प्राम या किसी धन या प्रन्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपानें की सुविधा के लिए;

अत: भव, उन्त भिधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उन्त भिधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के भिधीन, अर्थात:---

4-516GI/77

- 1. श्रीमती परीतो, धनो, पुत्रियां श्री मंगता पुत्र श्री रोडा, गांव सराय खास, तहसील जालन्धर (ग्रन्तरक)
- श्री सेवा सिंह पुत्र श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री रोडा,
 वलबीन्द्र सिंह, 3. दिलबाग सिंह पुत्र श्री धना पुत्र श्री बरोडा, निवासी सराय खास. तहसील जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्तिं सम्पत्ति में कि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (छ) इस सूचमा के राजपन्न में प्रकाशन की तारी स सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तंपति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो 'उक्त श्रविनियम' के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही धर्च होगा, जो उस भन्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूम जैसा कि विलेख नं० 2821 जलाई 77 को रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम ग्रिषकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालत्स्धर

तारीख: 6-3-1978

प्ररूप भाई• टी० एन० एस०---

नायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी०-1760--यतः, मुझे, बी० एस० वाहिया,

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त भिधितियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ६पए से भिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो प्रीत नगर, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्द्वीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जुलाई 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घिषक है और अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितयों)के बीच ऐसे अक्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है ।——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण म, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्योन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथांत:—

- श्री श्रमर नाथ पुत्र श्री प्रभ दयाल निवासी गढदीवाल, तहसील होशिय। रपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री सत्या राम पुत्र श्री कनी राम चपड़ासी वैंक स्नाफ इण्डिया, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारो करके । विकास सम्बक्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाडियां करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाद में ममाप्त होती हो, के बीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से जिसी ध्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारां, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्पष्टीफरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

घर जैसा कि विलेख नं० 2279 जुलाई 77 को रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> वी० एस० दाहिया सक्षम श्रधिकारी सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-3-1978

भोहर :

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर गायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए०-पी०-1761—यतः, मुझे, बी० एस० सहिया,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं जैसा कि ग्रनुसूची में है, तथा जो ग्रीन पार्क, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जुलाई 1977

की पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाणा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के श्रष्टीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण रें, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्री साधु सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह 545-माडल टाऊन, जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भजन सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह गांव रुड़का कलां, तहसील फिलौर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हिच रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर हे प्वोंक्त संपत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की नामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी भविध
 बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उक्त श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 2466 जुलाई 77 को रजिस्ट्री-कर्ता स्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-3-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस० ---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1978

─ितर्वेश सं० ए० पी०-1762—यतः, मुझे, बी० एस० वहिया,

आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/— रुपए से ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो चक हुसैना लामा पिड (जालन्धर) में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिशत से श्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण का लिए सम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए सम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए

- (क) प्रन्तरण सं हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त स्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसो कियो प्राय या कियो धन या ध्रन्य ध्रास्तिया को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

ग्रतः ग्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269ना के मनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269न्य की उपधारा (1) चे अधीम निस्ततिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री पूरण सिंह पुत्र श्री बतन सिंह जी०ए० श्री सन्तोख सिंह पुत्र श्री बिशन मिंह निवासी सन्तोख पुरा, जालन्धर (भ्रन्तरक)
- श्रा दर्णन सिंह, सुचा सिंह पुत श्री पूरण सिंह, सन्तोख पुरा, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में किच रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की घविद्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविद्य, जो भी घविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रग्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अ**न्यू**ची

भूमि जसािक विलेख मं० 2611 जुलाई 77 को रिस्ट्री-कर्ता प्रधिकार जालन्भर में लिखा है।

> वी० एस० द**हिया** सक्षम श्र<mark>धिकारी</mark> सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख**: 6-3-1978

प्रकार प्राई० टो० एन० एस०--

घायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1978

नर्देश स० ए०-पी०-1763—या, मुझे, बी० एस० दहिया, आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/— हपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में हैं, तथा जो पुराना जवाहर नगर (जालन्धर) में स्थित है (श्रौर इससे उपावढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालथ, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियमः 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण निचिन में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन वस देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:— शीमती मोहिन्द्र कार विधवा श्री सुरजीत सिंह ग्राप तथा जी० ए० 2. श्री नरीन्द्र कौर (माईनर!, 3. हरभजन सिंह पुत्र श्री सुरजीत सिंह, 4. परमजीत सिंह पुत्र श्री सुरजीत सिंह 5. प्रवीन्द्र कौर 6. कुलबन्त कौर पुत्रियां श्री सुरजीत सिंह, 983-बी० प्रेम नगर, जासन्धर

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री दर्णन सिंह पुत्र श्री सतासिह, 3-बी० पुराना जवाहर नगर, जालन्धर (श्रन्त रिती)
- 3. जैंसा कि ऊपर नं० 2 में हैं (बह व्यक्ति जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 3. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रावंत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भा धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की मबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे :

स्पट्टीकरण:--इसर्ने प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिमाषित हैं वहीं भर्ष होगा जो उस भड़वाय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जैसा कि विलेख नं० 2681 जुलाई 77 को रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

> ्रिबी० एस० **दहियाः,** मक्षम ग्रिधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जालन्धर

नारीख 6-3-1978 मोहर प्रका प्राई० टो॰ त्न॰ त्म॰----

पायकर श्रिधितियम 1961 (1961 को 43) की धारा 269ध(1) क श्रिधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेज, भटिडा पश्चा, दिनाक 18 फरवरी 1978

निर्देश संबद्ध ति 117/बी॰ टो॰ प्राई॰/77-18--यन, मुझे, पी॰ एन॰ मिलिक,

पापकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके प्रश्नात् 'उक्त प्रतिविधम' कहा गया है', की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकार। का, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, किसपी जीतत बाजार भूट्य 25,000/- के संधिक है

यौर जिसको स० तैनाकि प्रनुसूत्री में विष्णात तथा को विश्वोताच म रिथत है (श्रीर १६ से इलाव्य अनुसूची के श्रीर पूर्ण इप ने वर्णित है), र जरही के शिवकारी के कार्यालय हिशायाच्युर में रिजस्ट्रीकरण अधिवियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति क उत्तित बाबार मूल्य म कम हे द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित का गई है जो एत्से यह विषयप करने का कारण है कि यशापूर्वोबन सम्पत्ति का अवित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल में, ऐसे एपचान प्रतिक्ति का पन्दर प्रतिणत से प्रशिक है भीर अन्तरक (बर्ट रकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिक्ति निम्नलिखित उद्देष्य ने उन्तर प्राप्तरण तिथित में वास्तियिक रूप में कथित नहीं क्षारा गया

- (क) अन्तरण न हुं कि अ आध का बावत उक्त प्रांधिनियप, के श्रधीन कर दन के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसो किसी कार या फिसा छ । १। ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अजिल्यम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या वन-कर ग्राधिनयम 1957 (1957 का 27) हे प्रवीजनार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान। बाहिए या, छिगान म सुविधा के लिए;

मसः यन, उन्न पश्चा (पन की वारा 269-) है अनुवर्ष में, में, उन्त अधिविवा ही धारा 269-ए की उपधारा (1) के सभीन, निम्नालीयन व्यक्तिया अभीत :- र श्री हर भगा निष्ठ पुत्र श्री जञ्जाला सिंह पुत्र वतन सिह् गान दिघोषाध तहसील हिणायरपुर

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री खुशी राम, मलकीयत सिंह पुदान शंकर दास गाव खनासपुर (2) दलीपा पुत श्री उत्तम गांव हथाली (ग्रन्तिरिती)
- 3. जैसा कि उपर न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- ं जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके वारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है (क बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बत के **लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धाजन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपंत्र में प्रकाणन को नारीख से कि उन की अवधि या तत्सव्या व्यक्तियों पर त्वना की तामोल से 30 किन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त तिकि हो, के मीतर विका व्यक्तियों में के किना व्यक्तिय द्वारा,
- (भ) इस मुनना क राजपत्र में प्रकाशन को नुगाब से 45 दन क भावर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध कि र्श भाष्य व्यक्ति द्वारा, ग्राधोह/ताक्षरी के पास क्षित्र में किय जा महेंगे।

अमुसुसी

गाव विम्रोबाल में 85 कनाल जमीन जैसा कि रिजस्ट्री त० 957 जून 1977 सब रिजस्ट्रार हुँ शियारपुर में लिखा हे ।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्रधिकारी, महायक स्रायकर स्रोयुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेंज, भटिंडा।

गरीख : 18-2-1978 मोहर : **対応す 1 ・ す に 10 /村 3-----**

्य ⁻ श्रोष्ट्रातयम 1961 (1961 का 43) का ार 269-ब (१) श्री स्चना भारा तस्त्र

ा'प्रिलय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, शटिङा

भटिडा दिना। 18 फरगरी 1978

ाईँग मि० ए० मी० 118 मी० दी० चार्ट 177-79—स्त मुझे, पी० एन० मिल्का आपसर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे दममे उनके उमास उत्तत कविष्यम, हहागा।) ने पास 269-ख के मण्य नक्षम णाधिकारी की, यह विख्याम करने का कारण के मण्य सम्यक्ति जिसका उचित बाजार मास 25,000/-

स्नीर तिनकी प० जैस ि श्रानुष्ची में सिना है, तथा को बराबाड़ा में सिना है (पीर नमरो उपाइक सकुरची में सीर पूर्ण क्या से विणत है) राजस्टी। ति श्रिश्वारी के सर्वाराय, हुणियारपुर में रिजस्ट्रीवरण श्रिकिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन, तारीख जुलाई 1977

को बीं। नारि क क्षित्र त्रांकार मत्य स कम क त्र्यमान वीतकत के लिए अवस्थित के गई है और गर यह रिष्याम यस्ने ा रास्या है कि यथा क्षीत्र सम्पोल का उचित बाजार विके

दुरम्भा । तिकत में, एम दूरमम्म असफल का पन्द्रत प्राण्टित में जिल है और उन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (ग्रह्मिणो) हिल्ले अन्तरण के जिल एक समा गण प्रतिकल जिल्लामिक उद्योग में उन्त प्रस्तरण लिशित सम्बन्धि ज्यास एक्टिशीक स्थाप है -

- (क) अन्तरण सान्द्र हाती प्राप्त की प्राप्तन, उक्त प्रशिक्तियम के प्रधीत कर देन के अन्तरक के द्रायित्व में तभा हको या उसमें बचन में सुविधा किलार, का किल
- (क) ऐसी किसी बाब ता किसो धन या अन्य ब्रास्तियो, ता, जिने (इ.स. १८८८) अधिनियम, 1922 (1922 च ११ ७) उस्त चित्रियम या योग-कर प्रतिविद्या, 1957 (1957 का 27) इपयोजा। प्रतिविद्या ताल प्रकट नही किया स्वयु वा व्यक्तिका वात्र बहिए था जियाने में सुविद्या जित

यतः अब, उन्न श्रियिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं में, उन्न श्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) इ. श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियो प्रथित — ा श्री देवी दयाल पुत्र श्री (चरजी लास पुस्न गिरधारी साल गाव बजबाडा तहसील ईशियारपुर

(भन्तरक)

- 2 श्री सोहन नित्र महिन्द्र रिव्ह पुत्नान रत्तन सिंह गाव महलो तहसीर निवासार (प्रान्तरिती)
- अंसा कि ऊपर न० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके प्रिक्षिणेण में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति ।म्यलि मे ६जिरखगाहा) वह व्यक्ति जिनकवारे से सधोत्रताक्षरी जानता है वि वह राजानि में स्तबद्व है)

का यह भुचना जारी याके पूर्वोक्त न्य्यानित धर्नन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त उभ्यक्ति र अर्थन र गायन्य ४२११ भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना ने राजपन में एका निवासीख में 15 दिन भी आणि निस्त्रामणी व्यक्ति में प्र भवना की नामल से ५७ ति को प्रविध, को भी प्रविध दाद में समाना नेका अ, त भीतर पर्वोक्त प्रक्तिया न स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६स सूचना क राजपत्न में प्रकाणन का ग्रारीख में 45 दिन के भीतर उसत स्थादर सम्पत्ति में हितबल किसी अनग त्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास निकास में का गालियें।

स्थादिका प्रमुख्त शब्दो और एका का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रद्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया नया है।

अन्दखा

बजबाडा गाव में 56 क्नाल 18 मरले जमीन जैसा कि रिजिस्ट्री न० 1386 जलाई 1977 सब रिजिस्ट्रार हुशियारपुर ये लिखा है ।

> पा० एन० मलिक, मक्षम प्राधिकारी, महायक पायकर त्रायुक्त (निरिक्षण), सर्जन रेंज, भटिंडा

नारीख 18-2-1978 मोहर

प्रकृप छाई• टी• एन• एस•---

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 27 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी०सं०119/बी०-टी**०ग्राई**०/77-78——यत[.], मुझे, पी०एन० मलिक,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्नात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है, तथा जो मलीट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मलीट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह धिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावन उक्त प्रक्रिमियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में मुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयंकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया प्राना चाहिए था, खिपाने में नुविधा के लिए;

द्यतः प्रव, उनत प्रधिनियम भी घारा 269 ग के प्रमुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269 व की उपघारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्: →-

- 1. श्रीमती शांता रानी पत्नी दमन लाल पुत्न श्राहमा राम वासी मलोट (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती विमला देवी पत्नी जगन नाथ पुत्र ग्राडवान द्वारा जगन नाथ श्रशोक कुमार नजदीक पुरानाम स्टेट वैंक मलोट (अस्तिरित)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिस के प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में ६ चिरखताहो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोश्य मध्यक्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हं।

उक्त संपत्ति के ब्रर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा नकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूखी

श्रादर्श नगर मलोट में $25' \times 60'$ 166.7 वर्ग गज) का एक प्लाट नं॰ बी॰ VIII/142 जैसा कि विलेख नं॰ 1223 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी मलोट में लिखा है

पी० एन० मलिक, सक्षम ग्रधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारी**ख** : 27-2-1978

मोहर

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-

म्रायकर मिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269थ (1) के मधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी० नं० 120/बी० टी० म्राई०/77-78— यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनसूची में लिखा है, तथा जो त्योंग में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फिल्लीर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1977 को

पूर्वोक्त [सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अग्नि-नियम, के ग्राधीन कर देने के श्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या घन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः पद, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269 ग के भनुसरण में, मैं, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के ग्रंधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 5—516GI/77

- 1. श्रीमती गुरदेव कौर बिधवा श्रवतार सिंह पुत्र उजागर सिंह बासी त्थोंग तहसील फिल्लौर (श्रन्तरक)
 - 2. (i) श्री भ्रमरजीत सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह पुत्र उजागर सिंह (13 कनाल),
 - (ii) जतेन्द्र सिंह पुत्र विकरम जीत सिंह पुत्र, गुरदयाल सिंह (8 कनाल 1 मरला) गांव त्योंग तहसील फिल्लौर (ग्रन्तरिती)
 - 3 जसा कि ऊपर नं० 2 में है (बह व्यक्ति, {जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. वह व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है) वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घासीप

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

त्योंग गांव में 21 कनाल 1 मरला जमीन जैसा कि विलेख नं 1670 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फिल्लीर म लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 27-2-1978

प्ररूप श्राई० टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के श्रधीत सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

श्चर्जन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 27फरवरी 1977

निर्देश सं० पी० बी० नं०121/बी०टी०ग्राई०/77-78—स्रतः, मुक्षे, पी० एन० भलिक,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं० जैंमा कि श्रनुसूची में लिखा है कि तथा जा त्योंग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अमृसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणन है), रिजम्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फिल्लीर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोब ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रष्ठि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन व ग्रन्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त घिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्राचीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:— श्रीमती सुरजीत कौर पुत्नी भ्रवतार सिंह पुत्न उजागर सिंह गांव त्योंग तहसील फिल्लौर

(ग्रन्तरकः)

- 2. श्री ग्रमरजीत सिंह ग्रौर विक्रम जीत सिंह पुत्रान गुरदयाल सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह गांव त्थोंग तहसील फिल्लौर जिला जालंधर (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त झिंछ-नियम, के भध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

त्योंग गाव में 18 कनाल 6 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 1469 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फिल्लीर में लिखा है ।

> पी० एन० मिलक, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-2-1978

प्रकप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज , भटिंडा

भटिडा, दिनांक 27 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए०पी० नं० 122/बी० टी० आई०/77-78---यतः, मुझे, पी०एन० मलिक,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यमें से मधिक हैं भीर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो समसाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, फिलीर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जलाई 1977

16) क श्रधान, ताराख जुलाई 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भिधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधितियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में. में, उक्त प्रधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :~- श्री हरभजन दास पुत्र श्री धन्ना राम पुत्र श्री रामा राम गांव समसाबाद तहसील फिलौर

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री सुचा सिंह, केवल सिंह पुत्रान बंता सिंह पुत्र भुला सिंह गांव नगाजा तहसील जालन्धर (श्वन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को प्रविध या तन्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किमी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा भधीहस्ताश्ररी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर यदों का, जो उक्त भिन्न नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं भर्य होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

प्रनुपुची

समसाबाद गांव में 46 कनाल 4 मरले जमीन जैसा की विलेख नं० 1633 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी फिलौर में लिखा है।

> पी० एन० मिलक सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भटिंडा

तारीख : 27-2-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27फरवरी 1978

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ द॰ से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो हुशियार-पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इस्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधि-नियम, के प्रधीन कर देने के मत्तरक के दायित्व में कमी करके या उससे बजने में सुविधा के लिए; मौर/मा
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या भन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर घिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठिनयम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ए के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निध्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् —

- श्री शंकर दास पुत्र गंडु मल द्वारा श्री डी० पी० सूद
 V-बी०/III/118/भारत हैवी इलैक्ट्रीकल रानीपुर,
 हिरद्वार (यू० पी०) (ग्रन्तरक)
- श्री सुरेन्द्र पाल, बृज भूषण पुत्नान श्रोम प्रकाश मकान नं० बी०-II-545/35 प्रहलाद नगर हुशियारपुर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिख्त में किए जा सकेंगे।

स्थव्ही करवा: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उसत अग्निनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी०-II/545/35 प्रहलाद नगर हुशियारपुर में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1573 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी हुशियारपुर में लिखा है।

> पी० एन**० म**लिक, स**क्षम प्राधिकारी,** स**हा**यक **ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-2-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश स०ए० पी० 130/बी० पी०/77-78——यत:, म्**से, पी०**एन०मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र से प्रधिक है

भीर जिसकी सं ० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गड़ी महासिंह में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से जिंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिलौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह त्रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्थ्रह प्रतिशत से मधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मधि-नियम के भ्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, या धनकर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में मैं, उन्त भिधिनियम की धारा 269थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री केवल पुत्र भगत सिह काला दास पुत्रान रोड़ा पुत्र सुन्दर सिह वासी गढ़ी महा सिह तहसील फिलौर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री लम्बर सिह पुत्र बुझा सिह वासी जज्जा खुरद तहसील फिलौर (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में काचरखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त मंपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबधी व्यवितयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पत्म लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

गडी महा सिंह गांव में 44 कनाल जमीन जैसा कि विलेख न ० 1467 जुलाई 1977 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी फिलौर में लिखा है।

> पी०एन०मिलक सक्षम ऋधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, भटिंडा

तारी**ख** : 6-3-1978

मोहर .

प्ररूप ग्राई०टी० एन० एस०-

मायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 131/बी०टी० ग्राई०/77-78— यतः, मुझे, पी०एन०मलिक,

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो इंदन कलेर के में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, फिलौर म रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई 1977 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रान्तिति की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रम्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ध्रमुसरण में, में, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों अर्थात् :~~

- श्री फकीर, हजूरा सिंह पुत्रान बिकर सिंह गांव भौड़ तहसील फिलौर (अन्तरक)
- 2. श्रीमती श्रवतार कौर पत्नी सतनाम सिंह गांव पड़ी खालसा तहसील फिलौर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह ब्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग ग्रिधभोग म सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के जिये कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी धवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी म्रान्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इंदक कलेर के गाव में 25 कनाल 15 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं 0 1627 जुनाई 1977 रजिस्ट्रोकर्ता ग्राधकारी फिलौर में लिखा है।

> पी०एन०मलिक सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज,भटिंडा,।

तारीख: 6-3-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंड।

भटिंडा, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 132/बी० टी०/77-78- —यतः, मुझे, पी०एन०मलिक,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-- रुपये से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुदकी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी द्याय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितयम के श्रद्यीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धनकर श्रिष्ठिनियम या धनकर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रीम निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थौत्:—

- श्री जीत सिंह पुत्र राम सिंह पुत्र महताब सिंह वासी मुदकी (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मेजर सिंह पुत्र बख्नावर सिंह पुत्र भगत सिंह गांव वलोर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं ० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो ब्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (यह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबख है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रथे होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुदकी गांव में 69 कनाल 4 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं ० 2044 जुलाई 1977 में लिखा है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फिरोजपुर ।

पी० एन० मलिक सक्षम अधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, भटिं**डा**

तारीख: 6-3-1978

मोहर

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज भटिंडा भटिंडा दिनांक 6मार्च 1978

निर्देश सं०ए० पी० 133/बी० डी०/77-78— पत: मुझो पी०एन०मलिक

ष्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घ्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो सोढ़ी नगर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या ग्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्वनियम, या घन-कर भिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विश्रा के लिए;

अतः ग्रन, उन्त अधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रवीम निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- शि ठाकुर सिंह, तेज कौर विधवा, करतार कौर, चन्दो, दलजोत कौर, बिधवा कुन्दन सिंह वासी सोढी नगर जिला फिरोजपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रमरीक सिंह, नम्दर सिंह पुत्र करनैल सिंह गांव सोढी नगर, गुरनाम कौर पत्नी करतार सिंह वासी सोढी नगर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर तं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हिच रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशम की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिमाणित है, बही भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सोढी नगर में 64 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 2096 जुलाई 1977 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मटिंडा।

तारीख: 6-3-1978

प्ररूप आहें टी । एन । एस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 134/बी० डी०/77-78—यतः, मुझे, पी०एन०मलिक,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है प्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सोढी नगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध प्रजुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1977
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धीर भन्तरक (भन्तरकों) धीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— 6—516GI/77

- 1. श्रीमती राजिन्द्र कौर पत्नी महिन्द्र सिंह पुत्र साधु सिंह गांव सोढी नगर (ग्रन्सरक)
- 2. श्री अजीत सिंह, महिन्द्र सिंह, निरंजन सिंह, हरभजन सिंह पुत्नान नन्द सिंह पुत्न भाग सिंह गांव सोढ़ी नगर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के धविध, ओ भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वाहित स्वाह

अनुसूची

सोढ़ी नगर में 45 कनास 7 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2181 जुलाई 1977 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

> पी० एन० मिलक सक्षम श्रीधकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 6-3-1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 135/बी० डी०/77-78---यतः, मुझे, पी०एन०मलिक, न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर

संपित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- र० से श्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसाकि श्रनुसूची में लिखा है , तथा जो सोढ़ी नगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1977 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, 'उक्त प्रधिनियम' के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/ या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ध्रधिनियम', या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :→~

- 1. श्री बलजीत इन्द्र सिंह सोढ़ी पुत्र श्री महिन्द्र सिंह सोढ़ी वासी सोही नगर तहसील फिरोजपुर (ग्रन्तरक)
- 2. कुमारी दलीप कौर पुत्री सुचा सिंह वासी भामा लंडा तहसील फिरोजपुर (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह ब्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ध्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त प्रधि-नियम', के घ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है !

अनुसूची

सोढ़ी नगर में 68 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 2199 जुलाई 1977 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम अधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्ष्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 6-3-1978

प्ररूप माई० टी॰ एन० एस०----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिडा भटिडा, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 136/बी० डी०/77-78—-यत:, मुझे, पी०एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो दाता में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जीरा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निभ्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ध्रायकी बाबत उक्त ध्रिध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ध्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उन्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मजिक्ति व्यक्तियों, प्रकृत :—

- श्री प्रेम पाल सिंह ग्रीर श्रीमती सतवंत कौर पुत्र एवं पुत्री श्री करतार सिंह वासी दाता तहसील जीरा (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती चरनजीत कौर पत्नी बंत सिंह वासी जला लयाना तहसील फरीदकोट (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह स्थक्ति, जिसके स्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के **भर्जन** व लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

दाता गांव में 54 कनाल 14 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2567 जुलाई 1977 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जीरा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 6-3-1978

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिडा, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 137/बी० डी०/77-78——यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिधिक है

भोजार मूल्य 23,000/ पाप ते आवार है भोजार मूल्य 23,000/ पाप ते आवार है स्थार जो किशन पुरा में स्थित है, (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जोरा म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीक जनाई 1977

के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर
श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच
ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रसीत्:—

- 1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र ठाकुर सिंह वासी किशन पुराखुर्द तहसील जीरा (अन्तरक)
- 2. श्री बाज सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह वासी किशन पुरा खुर्द तहसील जीरा (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह ब्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो ब्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो (वह ब्यक्ति, जिनके बारे में भ्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता- अरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं; वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

किशनपुरा में 65 कनाल 11 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2784 जुलाई 1977 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जोरा में लिखा है।

> पी० एन० मिलक सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुवत, (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, भटिंडा

तारीख: 6-3-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मूचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निराक्षण)

ग्रजन रेंज, भटिडा

भटिडा दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 138/बी०टी० आर्ड०/77-78——यतः. मुझो, पी० एन० मलिक,

नायकर भिधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्र से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है. तथा जो बहिक गुजरां में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जीरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सें, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या धन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्रीमती पर्यस्ता पुत्री अतर कौर विधवा हीरा सिंह वासी वहिक गुजरां तहसील जीरा (अन्तरक)
- श्रीमती दलीप कौर पत्नी श्री मक्खन सिंह पुत्र श्री सूरज सिंह वामी बहिक गुजरों तहसील जीरा (श्रन्तरिती)
- 3. जैंसा कि ऊपर नं० में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो कोई और व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **अर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

क्ष्मध्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के ब्राध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्म होगा जो उस ब्राध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वहिक गुजरां गांव में 48 कनाल जमीन जैसा कि विलेख •नं० 2478 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकरी जीरा में लिखा है ।

> पी० एन० मलिक सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रामुक्त ॄं(निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा ।

तारीख: 6-3-1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर घायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 139/बी० टी०आई/77-78---यत:/,

मुझे, पी० एन० मलिक, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मुल्य 25,000/-रुपये से ग्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो केले में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीरा में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

श्रधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुग्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भ्रीर अन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के घ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या मन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के॰ प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रन्-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री कुलदीप सिंह, मनजीत सिंह पुतान कृपाल सिंह गांव कैले तहसील जीरा (अन्तरक)
- श्री मखत्यार सिंह बिलोक सिंह पुत्रान हरनाम सिंह पुत्र झंडा सिंह गांव कैले (भ्रन्तरिती
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (事) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही घर्ष होगा, जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कैले गांव में 28 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं 0 2839 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जीरा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीखा : 6-3-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रोज, भटिंडा

> > भटिंडा, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 140/बी० टी०/77-78—स्वतः, मुझे, पी०एन० मिलकि,

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है, तथा जो केले में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जीरा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रखीत्:—

- श्री कृपाल सिंह पुत्र लाल सिंह पुत्र मूल सिंह गांव कैले तहसील जीरा (भ्रान्तरक)
- 2. श्री मुखत्यार सिंह, विलोक सिंह पुत्रान रनाम सिंह गांव कैले तहसील जीरा (श्रन्तरिती)
- 3. जैंसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनयम के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं भ्रथं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कैले गांव में 55 कनाल 3 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2838 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जीरा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख 6-3-1978 मोहर : प्ररूप धाई• टी॰ एन॰ एस॰ → -----

श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>श्रायकर श्रायुक्त (</mark>निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदरा**बा**द

हैंदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1978

सं० श्रार० ए० सी० न० 237/77-78—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रूपए से ग्रिथिक है

श्रीर जिसकी सं० 1-8-18 है, जो धीकडपल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) झन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रन-कर भ्रधिनियम, या भ्रन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाण भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भ्राना चाहिए था, छिनानें में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के सनु-सरण में, मैं, उक्त स्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:--- श्री रायारेड्डी जी० ग्रार० ने 1-8-18 धीकडपली, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती पदमाबाई पति श्री कृष्णकुमार, (श्रगरवाले) 21-2-636 पतरगट्टी, हैंदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के <mark>प्रज</mark>न के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सर्वेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के झध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर न० 1-8-18 थीकडपल्ली हैदराबाद विस्तेन 200 वर्ग यार्ड, रजिस्टर्ड दस्तावेज न० 2004/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद।

तारीख: 9-3-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1978

निदश सं० ऋार० ए० मी०-238/77-78---यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन,

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधितयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूट्य 25,000/- कु से श्रिधिक है और जिसकी सं क 5-1-372/2 का भाग है, जो गास मन्डी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्थ से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सीकन्द्रा-बाद में भारतीथ रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 30-7-77 को

का 16) के अर्धान 30-7-77 को पूर्वोक्त संपक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त स्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसो आब या किसो धन या भ्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षितियम, या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधितियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रिधीत :—— सर्वश्री'

- (1) श्रीमती ऋर्यशावेगम
- (2) सेवातुशीसावेगम
- (3) लतीपुत्रीसावेगम
- (4) सैयद मकदूम
- (5) जुबेदावेगम
- (6) नसीरीदीन शेक इमाम
- (7) निजामीदीन शेक ईनाम घर नं० 16-8-244/1 कालाडेरा मलकापेट, हैंदराबाद
- (8) मुलवरीदीन शेक ईमाम
- (9) बुगनीदीन शेक ईमाम
- (10) जुहंरावानु
- (11) मीईनीदीन शेक ईमाम हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कीपुनूरी वाशम्या पती स्वर्गीय बोरय्या घर नं० 5-1-385/1 मेकवा वनडा पुराना गास गन्डी सिकन्द्रावाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रंबिंग या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रंबिंग, जो भी ग्रंबिंग बाद रू समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रष्टपाय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन घर नं० 5-1-372/2 का भाग है मेकला-बाडा-पुराना गास मनडी सिकन्द्राबाद रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 1198/77 डा रजिस्ट्री कायशिय सिकन्दराबाद में।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हदराबाद

दिनांक 9 मार्च 1978 मोहर :

7--516GI/77

प्ररुप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1978

निर्देश सं० त्रार० ए० सी० नं० 239/77-78—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से श्रिधिक है

भौर जिसकी सं० 1/329/एफ० है, जो कड़पा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कड़पा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है धौर यह कि धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त मधिनियम के मधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या भ्रन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अमुक्तरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम' की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

 श्रीमती अलपुरेडी लशमम्पा पती-मै० बेनकटनारा-याना रेड्डी घोटी कडपा जिला।

(ग्रन्तरक)

श्री के० हनुमारेड्डी-पिता-वेनकटरेड्डी, यैरामुकापली, गान्धीनगर, कडपा।

- (2) के० रवीन्द्रा रेड्डी
- (3) के० स्वतन्त्रताकुमार रेड्डी गान्धी नगर, कड़या जिला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितका कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जास होंगे :

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1/329-एफ० गान्धी नगर (येरामुकापली) कडपा-तस्कर रजिस्ट्री की दस्तावेज नं० 3637/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय कडपा में।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 9-3-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैंदराबाद हैंदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1978

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 240/77-78--यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन, श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-

रु० संध्रधिक है।

ग्रौर जिसकी सं० 7-2-148 है, जो मारकीट गली में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 20-7-77

को पूर्विश्व संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय को बाबत उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त प्रिविनियम की द्यारा 269ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:---

- 1. श्रीमती धीतम कमलमम्पा-पति-धीतम लालय्या-1/2 जीरा कमपोन्ड सिकन्दराबाद। (श्रन्तरक)
 - श्री मादयवर मलेबा-पिता-येम बोतप्पा ३९-जीरा-

(2) श्री मादयुवर मलेश-पिता-येम बोतप्पा 39-जीरा-सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

षर नं० 7-2-148 मीशन स्कूल का गली सिकन्द-राबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1128/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय, सिकन्दराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 9-3-1978

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०--

ध्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रह्मदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 जनवरी 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-1328 (623)/
1-1/77-78---यतः मुझे एस० सी० परीख
धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 361-62-66, सब प्लाट नं० 21, राणीप, है, जो राणीप, सावरमती, श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भीरतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 25-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनयम के ग्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/गा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :— (1) साबरमती हरीजन आश्रम दूस्ट, साबरमती आश्रम, श्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) उमंग पारक को० ग्रोप० हाऊसिंग सोसायटी लि०, वंगलो नं० 91/27/1, कल्याण ग्राम सोसायटी, श्रो/एस० गाहपुर दरवाजा, ग्रहमदावाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप : —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीत वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 3998-09 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 361-362-366, सब प्लाट नं० 21, राणीप वार्ड, ग्रहमदाबाद है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन जुलाई, 1977 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 4867 में दिया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-J, श्रहमदाबाद।

तारीख : 4-1-78

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त निरोक्षण अर्जन रिज-I, अहमदावाद अहमदाबाद, दिनांक 10 जनवरी 1978

निदेश सं० ए० सी० वयू० 1323 (626)/1-1-77-78—यतः मुझे एस० सी० परीख सायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त स्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 165/18-ए०-1, टी० पी० एस०-3, हैं, जो चगेजपुर, कल्याण सोसायटी, मीठा-खली, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण एवं से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय यसहमदाबाद में जारतीय रजिस्ट्रीकरण सिंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 22-7-77

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्थास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भाधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्ति िती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण निवित्त में नास्तिविक क्य से क्यित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी भाष को बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बजने में सुनिधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी छन या प्रम्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रीष्ठिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: मब, उक्त मधिनियम की धारा 269ग के अबुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के प्रधीन. निम्मानिश्वित क्यक्तिगों, ग्रथनि:— (1) श्री हिम्मतलाल रंछोड़लाल, ए/2, ''ग्रातकार एपार्ट-म ह्स'' देवकीनन्दन सोसायटी सामें, जैन देरासर सामें, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

- (2) सर्वश्री (i) प्रदीपकुमार दीपकभाई गाह, (ii) श्री प्रगनेण दीपकभाई गाह, 2, पारस कुंज सोसायटी, गुजरात समाचार विस्डिग के सामने, श्रहमदाबाद। (ग्रन्तरती)
- (3) श्रीमती शान्ताबेन दीपकभाई शाह, कल्याण सोसायटी, मीठाखली, श्रहमदाबाद। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्ष से 45 दिन की श्रविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ग्रचल सम्पत्ति जो 664 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका वर्गाकार 353 वर्ग गज है तथा जिसका एफ० पी० नं० 465/18-ए०, टी० पी० एम० नं० 3, तथा जो ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जुलाई 1977 वाले किकी दस्तावेज नं० 4848 में दिया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम अधिकारी; सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 10-1-1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-1379 (632)/
16-6/77-78—यतः मुझे एस० सी० परीख
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन
सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है
और जिसकी सं० 405-3 है, जो डा० याजिक रोठ, कन्य
छात्रालय के सामने, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससा
उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन

को पूर्वोन्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ओर/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के प्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।—— (1) श्री मन्सुखलाल रामजीभाई पावर श्रोफ एटारनी होत्डर, (1) श्री रामजीभाई सावजीभाई, (2) श्रीमती हेमकुंवरबेन दामजीभाई, भूपेन्द्र रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री रघूनन्दन हरजीवनभाई, जय शियाराम पेंडा-वाला, 2, पंचनाथ प्लाट, राजकोट।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहिया मुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशक किसी भ्रन्य ध्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है ।

अमुसूचो

एक दो मंजिला मकान जो 266.6 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 405-3 है तथा जो डा० योशिक रोड पर, कन्या छात्रालय के सामने, राजकोट में स्थित है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, प्रहमदाबाद

तारीख: 4-2-78

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०——— ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1978

निदेश सं० पी० श्रार० 551/ए० सी० क्यू० 1016/13-8/77-78--- अतः मुझे, डी० सी० गीयल, भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधनियम' कहा गया है), की द्यारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० रीका नं० 17 सिटी सर्वे नं० 94/ए/2-ए० एच० नं० 1543 स० नं० 285ए/1/5 पैकी नार्थ साईड 428-66-26 पैंकी ग्राउण्ड फ्लोर श्रौर सेलर जो संतराम सोसायटी, निडयाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालयः नदियाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्राधीन जुन, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय को बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी घत या श्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) कमुथेन अमीन जशभाई भिवाभाई की सुपुत्री, मंतराम सोसायटी, निष्टियाद। (ग्रन्तरक)
- (2) केननकुमार एन्ड कं० ग्रपने भागीदारों द्वारा :--
 - (1) पटेल रिकट्रभाई मनीभाई, 21 स्नार० एन० मुखर्जी रोड, भलकत्ता
 - (2) पटेल रसिकआई मनीलाल, 21, ग्रार० एन० भुखर्जी रोड, कलकत्ता
 - (3) कुसुमबेन किरीटभाई, , 16, **रावलैन्ड** रोड, कलकत्ता।
 - (4) कल्पनाचेन जयन्तकुमारः 16, रावलैन्ड रोड, कलकत्ता।
 - (5) कनुभाई डाह्याभाई, प्रभात सिनेमा के पास, निडयाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैंग के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रचल सम्पत्ति जो जमीन व मकान टीका नं० 17, सी० एस० नं० $94/\sqrt{2}\sqrt{\mu}$ प 0-6-43 वार्ड। सर्वे नं० $285 \cdot \sqrt{1/5}$ (पैकी) $642 \cdot 98 \cdot 39$ (पैकी) वर्ग मीटर नार्थ माईड 428/66/26 (पैकी) वर्ग मीटर ग्राउण्ड फ्लोर ग्रीर सेलर प्रार० सी० सी० बांध काम 33.3×27.9 ऊंचाई 14 जो रतनाजी पाटी, मंतराम सोसायटी, निडयाद में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी अधिकारी हियाद के जून 1977 के रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2074 म प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीखाः 9 फरवरी, 1978

प्ररूप प्रार्थ० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

निर्देश सं० पी० म्रार० 552/ए० सी० क्यू०-23-1017/ 13-8/77-78--- श्रतः मुझे, डी० मी० गोयल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- ए० से प्रधिक है **ग्रीर** जिसकी सं० टीका नं० 17 सिटी सर्वे नं० 94/ए/2ए हा० नं० 1543 स० नं० 285ए/1/5 पैकी नार्थ साइड 428-66-26 पैकी पहला मजिला और गैरेज जो सतराम सोसायटी नडियाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नडियाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जलाई, 1977 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उन्नित बाजार भ्रत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह

प्रतिशत से अधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम' के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिशा के लिए; श्रीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पत: ग्रब, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269 भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिपित व्यक्तियों, भ्रषांतु:---

(1) श्री कमुवेन समीन जशभाई शिवाभाई की सुपुत्नी, स्टेशन रोड, नडियाद।

(ग्रन्तरक)

- (2) केननकुमार एन्ड कं० अपने भागीदारों द्वारा:---
 - (1) पटेच रिजन्द्रभाई मनीभाई, 21, आर०एन० म्खर्जी रोड, कसकत्ता।
 - (2) पटेज रसिक्षाई मनीलाल, 21, श्रार० एन० मुखर्जी रोड, क्लक्सा।
 - (3) कुसुमबेन किरीटभाई, 16, राव लेन्ड रोड, कलकत्ता।
 - (4) कलपना देन जयन्त कुमार, 16, राव लेन्ड रोड, कलकत्ता।
 - (5) कनुभार्द डाह्याभाई, प्रभात सिनेमा के पास, गडियाद।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की शवधि, जो भी श्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पक्षे का, जो 'उक्त श्रीधिनियम' के श्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित है, बही श्रष्ट होगा, जो उस श्रक्ष्याय में दिया गया है।

अनु सूची

श्रवल सम्पत्ति जो जमीन व मकान टीका नं० 17, सी० एस० नं० 94/v/2v कुल माप 0-6-43 वार्ड 1 सर्वे नं० 285 v/1/5 (पैकी) 642-98-39 वर्ग मीटर (पैकी) पहला मंजिला और गैरेज कुल बांध काम 33.3×27.9 और 18×12.4 " है तथा जो रतनाजी पाटी, संतराम सोसायटी, निडयाद में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी निडियाद के जुलाई, 1977 के रिजस्ट्रीकृत किलेख नं० 2117 म प्रदिश्ति है।

डी ० सी ० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, स्रहमदाबाद

तारीख: 9-2-1978

प्ररूप माई० टी० एम० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II ग्रहमाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

श्रौर जिसकी सं० टीका नं० 17 सिटी सर्वे नं० 94/v/2 v/v=0 नं० 1543 स० नं० 285 v/1/5 पैकी 214-32-13 वर्ग मीटर है तथा जो संतराम सोसायटी, निष्ठयाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निष्ठयाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक् फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कर से काश्यत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रग्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— 8- 516 GI/77 1. श्रीमती कमुबेन, श्रमीन जगभाई शिवाभाई की सुपुत्नी, संतराम सोसायटी, निष्याद ।

(भ्रन्तरक)

- 2. केतनकुमार एन्ड कं० श्रपने भागीदारों द्वारा :---
 - (1) पटेल रिवन्द्रभाई मनीभाई, 21, म्रार० एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता।
 - (2) पटेल रिसकभाई मितीभाई, 21, श्रार० एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता।
 - (3) कुसुमबेन किरीटभाई, 16, राव लेन्ड रोड, कलकत्ता।
 - (4) कल्पनाबेन जयन्तकुमार, 16, राव लेन्ड रोड, कलकत्ता।
 - (5) कनुभाई श्रहयाभाई, प्रभात सिनेमा के पास, नडियाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की ग्रम्मधिया तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी ग्रम्मधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

हपद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवल संपत्ति जो जमीन व मकान टीका नं० 17, सी० स० नं० $94/\sqrt{2}$ ए माप 0-6-43 वार्ड नं० । सर्वे नं० $285-\sqrt{1/5}$ (पैकी) 214-32-33 वर्ग मीटर ग्रौर बांध काम 37.3' 28' है तथा जो रतनाजी पाटी, संतराम सोसायटी, निडयाद में स्थित है जैसा रिजस्ट्रीकित श्रिधकारी निडयाद के जुलाई, 1977 के रिजस्ट्रीइंत क्लिख नं० 2081 म प्रदर्शित है।

डी ० सी ० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद।

तारीखा: 9-2-1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीनसूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-,II

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

निदेण सं० पी० ग्रार०-554/ए० सी० न्यू०-23-1019/19-7/77-78--ग्रतः मुझे डी० सी० गोयल ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं व वार्ड नं 9, नोध नं 324, है तथा जो चकावाला मैरी, सूरत में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिक कारी के कार्यालय, सूरत में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 30-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निश्वित में बास्उविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिये;

अत:, प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के प्रश्लीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- प्रवीनाबेन हरीवदन ठाकोर द्वारा बिसयतनामें के मारफत नियुक्त किये गये ट्रस्टीज:---
 - (1) हरीप्रसाद चिमनलाल ठाकोर
 - (2) मरकन्द चन्द्रकान्त ठाकोर
 - (3) प्रकाश वसन्तलाल मेहता, लेमिगटन रोड, स्रमीर हाउस, बम्बई।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) जशवन्तलाल गुलाबदास,
 - (2) शशीकान्त गुलाबदास,
 - (3) बलवन्त राय, गुलाब दास, नवापुरा, लाडग्रेरी, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वी का सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपझ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्थ होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है

अ**न् सूची**

जमीन व पुराना बांधकाम जो बार्ड नं० 9 बाँध 324 चकावााला शेरी, सूरत में स्थित है तथा जिसका कुल माप 77 वर्ग गज है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जून 1977 के रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1221 में प्रदिशित है।

डी० सी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, श्रहमदाबाद

तारीखा: 9-2-1978

प्रकप माई० टी• एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) कि प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

निर्देश सं० पी० श्रार० 555/ए० सी० क्यू० 23-1020/19-7/677-78—श्रतः मुझे डी० सी० गोयल भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से ग्रधिक है

भ्रोर जिसकी सं० वार्ड नं० 9, नोंध नं० 325 है, तथा जो चकावाला भेरी, सूरत में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-1977 को

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूम्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भाधिनयम के भाधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐनी किसी प्राप्त किसी घन या ग्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया ग्राना चाहिये था, छिगाने में युविधा के लिए;

अतः ध्रव उ∓त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के अचीन,निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातृ:~-

- (1) श्रीमती प्रवीणाबेन हरीवदन ठाकोर की वसीयत-नामे द्वारा नियुक्त किए गए ट्रस्टीज:──
 - (1) हरीप्रसाद चिमनलाल ठाकोर
 - (2) मरकन्द चन्द्रकान्त ठाकोर
 - (3) प्रकाण वसंतलाल मेहता लेमिन्गटन रोड, भ्रमीर हाउस, बम्बई। (भ्रन्तरक)
- (2) (1) ईश्वरलाल गुलाबदास
 - (2) जयन्तीलाल गुलाबदास
 - (3) लक्षमी चन्द्र गुलाबदास
 - (4) चम्पकलाल गुलाबदास लाड णेरी, नवापुरा, सूरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत अधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो चकावाला शेरी वार्ड नं० 9, नोंध नं० 325 सूरत में स्थित है और जिसका कुल माप 146 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत के जून 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1220 म प्रदर्शित है।

> डी ०सी ०गोयल ्सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

तारीख: 9-2-1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II,

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 मार्च, 1978

निदेश सं० पी० म्रार०-561/ए० सी० क्यू०--म्रतः मझे डी० सी० गोयल,

ज्ञायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ह० से शिधक है,

भौर जिसकी सं० वार्ड नं० ९ नोंध नं० 317, 629 भौर 631-ए पैकी नोंध नं० 317 पैकी है, जो चकावाला णेरी, वाडी पालिया, सूरत में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6-7-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्राधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और धन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्त- विक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अव उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रागीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री सुरेन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर 5, गुजरात सोसा-यटी, ग्रहमदाबाद-7।

(अन्तरक)

(2) ईश्वरलाल नाथुभाई जरीवाला कान्टा की वार्ड, नवापुरा, सूरत। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही भ्रषं होगा जो, उस ग्रध्याय में दिया गया है।

धनुसची

जमीन व मकान जो वार्ड नं० 9 नोंध नं० 317, 629 फ्रीर 631-ए पैकी नोंध नं० 317 पैकी चकावाला शेरी, वाडी वालिया सूरत में स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी सूरत के जुलाई, 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1314 में प्रदिशत है।

> डी० सी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 2-3-1978

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेज-11,

श्रहमदाबाद, दिनांक 12 माच 1978

निदेश सं० पी० ग्रार* 562/ए०सी० क्यू० 23-1038/19-7/77-78----यतः सङ्गे डी० सी० गोयल आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मधिक है ग्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 9, नोंध नं० 317, 629 ग्रीर 631-ए पैंकी नोंध नं० 317 पैंकी ब्लाक नं० 4, है तथा जो चकावाला शेरी, वाडी पालिया, सूरत म स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रानुची में ग्रीर पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जुलाई, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और घन्तरक (अन्तरकों) और घन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ध्रम, उक्त ध्रिधिनियम की घारा 269-ण के अभुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के घंधीन निम्मलिखित म्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) सुरेन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर
 - (2) प्रान गौरी सुरेन्द्र लाल ठाकोर, 5 गुजरात सोसायटी, श्रहमदाबाद-7।

- (3) सुरेन्द्र ठाकोर लाल ठाकारे
- (4) केतकीबन सुरेशचन्द्र ठाकौर,
- (5) प्रनव सुरेश चन्द्र ठाकोर, नं० 3, 4, 5— 54, प्रीतम नगर सोसायटी, श्रहमदाबाद-6
- (6) ग्ररिवन्दाबेन, ठाकोरलाल श्रमृतलाल ठाकोर की पुत्री, 3-ए, शार्ट स्ट्रीट, कलकत्ता, कुल मुखतार: हषदाबेन, ठाकोरलाल श्रमृत लाल ठाकोर की पुत्री, थाडी पालिया, सुरत।
- (7) हशिदा बेन, ठाकोर लाल ठाकोर की पुत्नी, बाडी पालिया, सूरत।
- (8) उषा बेन, ठाकोर लाल ठाकोर की पुत्नी, वाडी पालिया, सूरत।

(श्रन्तरक)

- 2. (1) चम्पकलाल चुन्नीलाल
 - (2) शान्तीलाल चम्पकलाल, वाचाली शेरी, नवापुरा, सूरत। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई मी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवद्व किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकारी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिश्वनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गमा है।

प्रन्यूची

जमीन व मकान जो वार्ड नं० 9 नोंध नं० 317, 629 श्रीर 631-ए पैकी नोंध नं० 317 पैंकी ब्लाक नं० 4, चकावाला शेरी, वाडी पालिया, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 77 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत के जुलाई, 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1316 म प्रदिश्ति है।

डी० सी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 2-3-1978।

प्रस्प आई० टी० एन० एस०---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-11, कार्यालय

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 मार्च, 1978

निदेश सं० पी० श्रार० 563/ए० सी० क्य० 23-1039/ 19-7/77-78---- ग्रतः मुझ डी० सी० गोयल, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० वाड नं० 9, नोंघ न० 317, 629 श्रीर 631-ए पैकी नोंघ नं 0 317 पैकी है, जो चकाबाला शेरी, भाडी फालिया, सूरत में स्थित है (श्रीर इसरो उपाबद्ध श्रन-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 6-7-1978 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरन लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बायत उक्त प्रधिनियम के भधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, उक्त स्रिधिनियम को धारा 269-ग के स्रनुसरण में, में, उक्त स्रिधिनियम की धारा 269-प्र की उपचारा (1) के अधीन निम्याखित स्यक्तियों, अर्थात्:— (1) सुरेन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर, 5, गुजरात सोसायटी ग्रहमदाबाद-7।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री छीराजलाल नाथूभाई जराबाला

(भ्रन्तरिती)

- (4) सुरेश कुमार ठाकोरलाल ठाकोर, 56 प्रीतमनगर सोसायटी, श्रहमदाबाद।
 - (2) भ्ररविन्दा बेन, ठाकोरलाल 11 ठाकोर, कलकत्ता
 - (3) उषा बेन, ठाकोरलाल ए ठाकोर की पुत्री कलकत्ता।
 - (4) हरिशदा बेन, ठाकोर लाल ए० ठाकोर की पुत्नी, वाडी पालिया, सूरत। (वस व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी झन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त धिवियम, के धध्याय 20-क में परिभा-षित हैं, वही धर्थ होगा जो उस धध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन व मकान जो वार्ड नं० 9 नोंध न० 317, 629 श्रीर 631-ए पैकी नोंध न० 317 पैकी चकावाला शेरी, वाडी पालिया, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 73.1 वर्ग गज हैं जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत के जुलाई, 1977 के रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 1318 में प्रविश्त है।

डी० सी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-U, श्रहमदाबाद

तारीख : 2-3-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज- , कार्यालय श्रहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च, 1978

निर्देश सं० पी० श्रार० 564/ए० सी० क्यू० 23-1040/19-7/77-78---श्रतः मुझे डी० सी० गोयल, ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खंके प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० वार्ड न० 9 नोंध न० 317, 629, 631-ए पैकी न० 317 पैकी ब्लाक न० 3 है, तथा जो चकावाला गरी, वाडी फालिया, सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6-7-1978 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और भ्रन्तरक (म्रान्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के यीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसो आय की बाबत उक्त अधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरण के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः ध्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की चपधारा (1) के ध्रधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) सर्वश्री
 - (1) सुरेन्द्रलाल ठाकोरलाल ठाकोर
 - (2) प्रानगौरी सुरेन्द्र ठाकोर, 5, गुजरात सोसा-यटी, श्रहमदाबाद-7।

- (3) सुरेश चन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर,
- (4) केतकीबेन सुरेश चन्द्र ठाकोर
- (5) प्रतत्र सुरेणचन्द्र ठाकोर, 56, प्रीतमनगर सोसायटी, ग्रहमदाबाद-6।
- (6) ग्ररविन्दाबेन, ठाकोरलाल भ्रमृतलाल की सुपुत्री, कलकत्ता, कुल मुखतार: हरणिदा बेन, ठाकोर लाल ग्रमृतलाल ठागोर की सुपुत्री।
- (7) हरिषदा बेन, ठाकोरलाल ग्रमृतलाल ठाकोर की सुपुत्री, वाडी पालिया, सूरत।
- (8) उपाबन, ठाकोरलाल श्रमृतलाल की पुत्नी, चकावाला शेरी, वाडी पालिया, सूरत । (श्रन्तरक)
- (2) (1) चम्पकलाल चुनीलाल जरीवाला
 - (2) ठाकोरदास चम्पकलाल जरीधाला वाचाली गोरी, नधापुरा, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त समाति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन व मकान जो वार्ड नं० 9 नोंघ नं० 317, 629, 631-ए पैकी नोंघ नं० 317 पैकी ब्लाक नं० 3, चकावाला शेरी, वाडी पालिया, सूरत में स्थित है और जिसका कुल माप 77 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी सूरत को जुलाई 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1320 में प्रदींगत है।

डी० सी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद ।

तारीख : 2-3-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-[I,

श्रहमदाबाद, दिनांक 12-3-1978

निदेश सं० पी० ग्रार० 1560/ए० सी० क्यू० 23-1036/ 19-7/77-78—यतः मुझे डी० सी० गोयल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मृ्ल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 9, नोंघ नं० 317, 629, 631-ए पैकी नोंघ नं० 317 ब्लाक नं० 7 है, श्रीर जो चकावाला शेरी, वाडी फालिया, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त मधिनियम, या धनकर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ध्रतः प्रंब, उक्त श्रिविनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवति:---

- (1) सर्वधी
 - (1) सुरेन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर
 - (2) प्रानगौरी सुरेन्द्र ठाकोर, 5 जुजरात सोसा-यटी, अहमदाबाद-7।

- (3) सुरेणचन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर
- (4) केतकीबेन सुरेशचन्द्र ठाकोर
- (5) प्रनव सुरेश चन्द्र ठाकोर, 56 प्रीतमनगर सोसायटी, भ्रहमदाबाद-6।
- (6) प्ररिवन्द्रावेन, ठाकोरलाल ए० ठाकोर की पुत्री, कुल मुखतार, हिंगदा बेन, ठाकोर लाल ए० ठाकोर की पुत्री, वाडी फालिया, स्रत।
- (7) हिणदा बेन, ठाकोरलाल, ए० ठाकोर की पुत्री, वाडी फालिया, सूरत ।
- (8) उषा बेन, ठाकोर लाल ए० ठाकोर की पुत्री, वाडी फालिया, सूरत। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ईश्वरलाल चन्दुलाल चकावाला शेरी, वाडी फालिया, सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के श्रजंन के लिये कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्फटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्यं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनु सूची

जमीन व मकान जो बार्ड नं० 9, नोंघ नं० 317, 629, 631-ए पैकी नोंध नं० 317 पैकी ब्लाक नं० 7, चकावाला शेरी, वाडी फालिया, सूरत में स्थित है, जिसकाकुल माप 54.40 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी सूरत के जुलाई 1977 के रजिस्टीकृत विलेख नं० 1319 में प्रदिशत है।

डी० सी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन केज-, स्रहमदाबाद

तारीख: 2-3-1978 मोहर: प्ररूप माई० टी० एन एस०——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (तिरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद, दिनांक 7 मार्च 1978

श्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 10 नोंघ नं० 1694ए है, तथा जो सोनी फालिया, गोपीपुरा, सूरत में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत ह), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-7-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और शन्तरक (श्रन्तरिकों) भीर शन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे शन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त शन्तरण लिखित भें बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसो आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; स्रीर/या
- (ख) ऐने किसी श्राय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाण श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निवधा के लिए;

अतः यव, उका यिविषम की धारा 269 ग के अनु-सरण में, भैं, उक्त प्रधितियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के यथीन निम्तलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—— 9—516GI/77 (1) श्री डाहयाभाई मोहनभाई देसाई मनीवेन डाहयाभाई देसाई सोनी फालिया, गोपीपुरा, सूरतय ।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री

- (1) केवलभाई नारनजी एलियास **ललुभाई** पटेल
- (2) रमेशभाई केवलभाई पटेल
- (3) जयन्तीलाल केवल भाई पटेल
- से (4) भरतभाई केवलभाई पटेल
 - (5) ग्ररियन्दकुमार केवलभाई पटेल बराछा शेरी, रघुनाथपुरा, सूरत। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेर---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन ग्रौर मकान जो बार्ड नं० 10/1694-ए सोनी फालिया, गोपीपुरा, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 174 बर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत के जुलाई 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 563 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल सक्षम प्राधिकारी श्रर्जन रेंज-II, स्रहमदाबाद

तारीख : 7-3-1978

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

ब्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-]]

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 मार्च 1978

श्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 7 सिटी सर्वे नं० 51 (ए) है, तथा जो सूफी बाग, स्टेशन के सामने, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-7-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्ममान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये स्यपाया गयाप्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसो श्राय को बाबत उक्त ग्रिच-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रमीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:----

- (1) सर्वश्री
 - (1) इद्रीसभाई श्रलीभाई किनखाबधाला स्वर्य श्रीर निम्नलिखितों क कुल मुख्तार की हैसियत में:--
 - (i) श्रलीभाई ग्रब्दुल गफुर किनखाबवाला---बाप।
 - (ii) ग्रमीर ग्रलीभाई किनखाववाला--भाई।
 - (iii) यूनुस अलीभाई किनखाबवाला--भाई।
 - (2) इस्तीयास अलीभाई किनखाबवाला
 - (3) म्रारिफ म्रलीभाई किनखाबवाला,नानपुरा, सूरत । (म्रन्तरक)
- (2) विमलाबेन बाबुभाई लीलाधर पोपट की पत्नी, श्रोपा बिल्डिंग, ग्राजाद चौक, बैलसाड। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रद्ध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो वार्ड नं० 7 सिटी सर्वे नं० 51 (ए) सूफी बाग के पास, सूरत रेलवे स्टेशन के सामने सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 457-36-31 वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जुलाई 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1497 में प्रदर्शित है।

> डी० सी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, स्रहमदाबाद।

तारीख: 7-3-1978

25,000/- र• से अधिक है

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

म्रायकर भाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 7 मार्च 1978

निदेश सं० पी० श्रार०-567/ए० सी० क्यू०-23-1043/19-7/77-78--श्रतः, मुझे, डी० सी० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उयत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन मक्षम प्राधिवारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य

स्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 13/329 श्रार० एस० न० 52 पैकी है, तथा जो श्रठवा, नरमद सोसायटी, सूरत से स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुभूची सें ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत मे रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 1977

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पन्द्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती) (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी प्राप्त का बाबत, उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रिष्ठीत कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन ता ध्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिंधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिनाने में मुविधा के लिए;

अत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियन की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ग्राधिनयों ग्रथात्:--

- 1. श्री छीरजंनाल खेतसीभाई णाह महीदरपुरा, बानिया शेरी, सूरत (अन्तरक)
- 2. परशोत्तमभाई तुलसीभाई पटेल, 'श्रभी झरना', श्रारोग्य नगर, श्रठवा, सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां ग्रुरू करता हैं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त जब्दो ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम, के ग्राध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रार्थ होगा जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो यवार्ड नं० 13/329 रे० स० नं० 52, पैकी ग्रठवा, नमर्द सोसायटी के पास, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सूरत के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1478 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II,, भ्रहमदाबाद

तारीख : 7-3-1978

मोहर .

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

गर्जन रेज-।।, श्रहमदावाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 मार्च 1978

निदेश सं० पी० ग्रार० 569/ए० सी० क्यू० 23-1045/19-7/77-78—प्रतः, मुझे, डी० सी० गोयल, आयकर प्रधिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/— इ० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० ई० स० नं० 40 पैकी टी० पी० एस० नं० 6 एफ० प्लाट न० 96 सी० एस० न० 32 है, तथा जो खरोदरा, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वॉणत है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है, भीर धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) क बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी भाय या किसी अन या भ्रम्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ष की उपधारा (1) के अीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:—— श्री कान्ताबेन नन्दकृष्णा, नटराज एपार्टमेन्ट्स के पास, सूरत

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) शान्तीलाल कल्याणदास छेलो मोहलो, रुस्तमपुरा, चरत
 - (2) प्रवीनचन्द्र छोटालाल सोपारीवाला, दक्षिणी मोहल्लो, गोपीपुरा, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

एपव्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों खीर पदों का, जो उक्त झिंद्रितयम, के झक्याय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं झर्च होगा जो उस झक्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो रे० स० नं० 40 पैकी टी० पी० एस० नं० 6, एफ० प्लाट नं० 96, सी० एस० नं० 32, खरोदरा, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 1508 वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकत श्रधिकारी सूरत के जुलाई 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1438/77 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

हायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-11, ग्रहमदाबाद

तारीख : 7-3-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, भ<mark>ुवनेक्व</mark>र

भुवनेश्वर, दिनाक 25 फरवरी 1978

निर्देश सं० 68/77-78/म्राई ए सी/(ए/म्रार) भूवनेश्वर---यतः, मुझे श्रमरेन्द नाथ मिश्र आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी स० खातानं० 524 है, जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमुची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक 1-6-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत संप्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिली (मन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक

> (क) सन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण मे, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिर्थात :--- (1) श्रीमती रमा कुमारी देवी

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स पारस ऐंटरप्राइजेस्

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्यब्दोकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन ग्रौर स्थापित प्लाट नं० 248, 248/1795 पर जयपुर टाउन में स्थित हैं। वह संपत्ती जयपुर सब रिजस्ट्रार ग्राफिस में 1-6-77 तारीख में रिजस्ट्रार हुआ, जिसका डाकुमेंट नं० 1350 हैं।

> श्रमरेन्द नाथ मिश्र सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भुवनेश्वर

दिनांक : 25 फरवरी, 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 फरवरी 1978

सं० ए० त्रि०-33/म्र०रें०-IV/कल०/77-78----म्रातः मुझे, पि० पि० सिंह,

ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 208/1 है तथा जो बाराकपुर ट्रांक रोड स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, र जिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रुधीन, तारीख 1-6-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधक है भौर अन्तरिक (श्रव्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधक है भौर अन्तरिक (श्रव्यगान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधक है भौर अन्तरिक (श्रव्यगान प्रतिकल का पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्न श्रन्तरण लिखित में श्रांतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्न श्रन्तरण लिखित में श्रांतिक का स किया नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रक्षित्यम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बजन न पुविधा क जिल; श्रीर/श
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तिया को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में पूर्विधा के लिए;

अतः एव, उक्त आधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. प्रथित् : (1) श्री प्रफल्ल कुमार मुखाजीं,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुकुमार पाल

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20क मे परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अ**नुसूची**

प्रिमिसेस सं० 208/1, बाराकपुर ट्रांक रोड, थाना-बरानगर, 24 परगना के प्रनगंत 7 कठ्ठा 9 छटाक 44 स्वा० फिट खाली जमीन जैसे के 1977 के दलिल सं० 5562 में और पूर्ण रूप से विणित है।

पि० पि० सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-IV, कलकत्ता-16

दिनाक : 18 फरवरी, 1978

प्ररूप याई० टो॰ एन० एम०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (१) के ग्रधीन मुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-∏, मद्राम

मद्राप, दिनांक 13 मार्च 1978

निदेश सं० 3911/जून/77---यतः मुझे, के० पोलन, धापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें टमने पश्चात् 'उक्त धियिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के धियीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का राग्ण है कि स्थापन संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हुए से अधिक है

ग्रीर जिसकी टी एस० सं० 1092/1 जी, म्युनिसिपल वार्ड 2, तिरुचिरापिल में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० , तिरुचि (डाकुमट 1349/77) में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जून 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए गन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वे पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के निए तय पाया स्वाप्त प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण कि खन पे वास्तिक से किया गरा के:—-

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसो ग्राय की बापत, उक्त प्रधि-नियम, के श्रश्चीत कर देत र प्रस्तरक ह दायि-क में कमो करते या उससे बचते पे प्रविधा र ि , और/था
- (ख) ऐसी कि ए झान पा जिला धन या प्रन्य प्रास्तियों की जिन्हें नारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा पक्ष नहीं कि ए गरा या था किया जाना नाहिल था, जिलाने के सुनिधा के निए;

मृत: ग्रा, उना मिशिनियम की धारा 269-ग के मनुमरण में, में, उनन प्रधिनियम की प्रारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत :— (1) श्रीमित एम० राजेसवरी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति मल्लिकं सुन्द्रम्माल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मंपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हं।

उक्त संपत्ति के भ्रजन के सबध में कोई भी आक्षेत :---

- (त) इस सूचना के राजपत में पकाणन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (पा) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-- पमे प्रमुक्त शब्दो जीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व मे यथा-पिशापित है, वही अर्थ होगा जो उस अख्याय में दिया नगा है।

अनुसूची

तिरुचि, म्युनिसिपल वार्ड स० 2, टी० एस० सं० 1092/1 जी, डोर स० 4ए/8, स भूमि और मकान ।

> के० पोक्षन सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज II, मद्रास

दिनाक: 13-3-1978

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 1st March 1978

No. F.6/78-SCA(1).—Shri H. D. Gulrajani, Offg. Deputy Registrar, Supreme Court of India, has retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of 28 February, 1978.

> R. SUBBA RAO Deputy Registrar (Admn.) Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 18th February 1978

No. F./1780-Admn.II.—For the words "Section Officer of the office of the A.G.C.R." occurring in the U.P.S.C. Notification No. A. 35017/1/75-Admn.II dated 9th November. 1977, the words "Accounts Officer of the office of A.G.C.R." may be substituted.

P. N. MUKHERJEE

Under Secy. for Secv. Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 6th March 1978

No. D7RCT40.—The Central Vigilance Commissioner No. D/RC140.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Ashok Kapur, I.A.S., as Officer on Special Duty in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 1st March, 1978, until further orders.

SHRI NIVAS

Under Secretary for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 27th February 1978

No. A-19036/3/78-Ad.V.-The Director, Central Bureau No. A-19036/3/78-Ad.V.—The Director, Central Burcau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri M. Ramamurthy, Inspector of Police, C.B.I., Hyderabad Branch and an officer of Andhra Pradesh State Police to officiate as Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation Special Investigation Cell, New Delhi with effect from the afternoon of 27-1-78 in a temporary capacity until further orders. orders.

The 4th March, 1978

No. A.-31014/2/76-Ad. I: —In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints in a substantive capacity on permanent absorption, the following deputationist officer from the State Police of Haryana to the post of Dy. Supdt. of Police in SPE/CBI with effect from 30-10-77 (FN).

State from which on Branch wherein lien kept No. on the permanent post of DSP in CBI. deputation Shri Des Rai, S.P. . CIU(B), New Delhi. Haryana CIU-III, New Delhi.

Present place of posting

The 6th March 1978

Name of the officer

No. PF/P-4/69-Ad.V.—The Director, Central Bureau of No. PF/P-4/09-Ad. v.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri P. P. Singh, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation Special Police Establishment, Patna on deputation from Bihar State as Senior Public Prosecutor in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 21-3-77 on ad hoc basis until further orders.

(This is in supersession of the notification No. PF/P-4/69-Ad.V dated 12-5-77).

No. A-19036/11/75-Ad.V.—On the expiry of his term of deputation, Shri S. B. Purkayastha, Dy. Supdt. of Police, Central Burcau of Investigation relinquished charge of the office of Dy. Supdt. of Police, Central Burcau of Investigation, Shillong Branch on the afternoon of 4-2-78.

He was repatriated to his parent State of Assam.

A. K. HUI, Administrative Officer (E) C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001,the 1st March 1978

No. P.VII-6/76-Estt.—On his services having been placed at the disposal of the CRPF by the ICFS, the President is pleased to appoint Shri H. C. Sood on promotion on ad-hoc basis as Asstt. Commandant in the CRPF with effect from the forenoon of 11th January, 1978.

The 3rd March 1978

No. O.II-1082/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Mohan Limaye as General Duty Officer, Grade II (Dy.

Sp/Coy. Comdr.) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 20th February, 1978 until further orders.

> A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 25th February 1978

E-16013(1)/1/77-Pers.—On transfer on Shri Prafulla Chandra Ratho IPS (Orissa-56) assumed the charge of the post of Deputy Inspector-General, Central Industrial Security Force, Rourkela Steel Plant, Rourkela with effect from the forenoon of 11th January 1978.

This supersedes notification of even number dated 24-1-1978.

No. E-38013(1)/1/78-Pers.—On transfer from Bokaro Shri No. E-38013(1)/1//8-refs.—On transfer from Bokaro Shri I. B. Negi IPS (UP-58) relinquished the charge of the post of Deputy Inspector-General, CISF, Bokaro Steel Ltd, Bokaro Steel City with effect from the afternoon of 3rd February 1978 and assumed the charge of the post of Deputy Inspector-General (Rectt: & Training) at CISF HQrs, New Delhi with effect from the forenoon of 10th February 1978.

The 1st March 1978

No. E-32015(1)/5/77-Pers.—The President is pleased to appoint Col. No. S. Puri as Commandant CISF Unit Farakka Barrage Project on re-employment with effect from the afternoon of 6th February 1978 until further orders.

> L. S. BISHT. Inspector General/SICF,

MINISTRY OF FINANCE DEPTT. OF FCON. AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 5th March 1978

- F. No. BNP/C/5/78.—In continuation to this Department's Notification number BNP/C/63/73 dated 6-10-76, the appointment of Shri B. B. Sen as Assistant Engineer (Mechanical) in Bank note Press Dewas on standard deputation terms is extended for a further period of 1 year with effect from the Afternoon of 12th Nov. 1977.
- F. No. BNP/C/5/78.—In continuation of this Department's Notification number BNP/C/72/74 dated 5-1-77, the appointment of Shit R. V. K. Chait as Assistant Engineer (Civil) in Bank Note Press Dewas on standard deputation terms, is extended for a further period of 1 year with effect

P. S. SHIVARAM. General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, U. P. J.

Allahabad, the 24th February 1978

No. Admn. 1/11-144(XIII)/III/365:—The Accountant General U. P. I., Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officer in this office until further orders with effect from the dates noted against each:

				- 4	.411131	cacii.—
	Sri Jagpal Singh	•	•			13-1-78 (FN)
	Shri Gokulnathan					27-1-78 (FN)
	Shri Sheo Pujan N					13-1-78 (FN)
	Sri Gopal Swarup		ar			18-1-78 (FN)
	Sri Kuldip Rai 1					16-1-78 (EN)
6.	Shri Jagdish Prasac	d Ag raw	al			9-2-78 (FN)
7.	Sri Suraj Singh	-				9-2-78 (FN)
8.	Shri Brij Behari La	1 -		•		13-2-78 (FN)

U. RAMACHANDRA RAO

Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KARNATAKA

Bangalore, the 21st February 1978

No. ESI/A4/77-78/866.—The following Officiating Accounts Officers of the Office of the Accountant General, Karnataka, Bangalore have been appointed in a substantive

capacity in the grade of Accounts Officers in the san office with effect from the dates noted against their names: same

- 1. Sri S. A. Natarajan.—21-12-1977
- 2. Sri R. Rangarajan,---21-1-1978.
- 3. Sri D. Paramasivan,-1-2-1978.

S. C. BANERJEŁ

Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL REVENUE

New Delhi, the 31d March 1978

Admn.1/5-5/P1omotion/0 0.688/2585.~-Consequent on attaining the age of Superannuation, Shri Sri Krishna, a permanent Accounts Officer of this office has retired from Government Service in the afternoon of 28th February, 1978.

His date of birth is 6-2-1920.

K. H. CHHAYA.

Sr. Dy. Accountant General (Admn)

CHIEF AUDITOR OFFICE WESTERN RAILWAY

Bombay, the 3rd March 1978

No. SA/HQ/Admn/IX/6/Vol.IV/7645.—Shri N. C. C. Pillay, permanent Section Officer of this office has been promoted to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840-1200 with effect from 18-2-78 (A.N.) and is posted as Audit Officer (Survey & Construction), Western Railway, Bombay, from the same date.

> A. N. BISWAS, Chief Auditor.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE

CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 1st March 1978

No. 68018(2)/71-AN.II.—The President is pleased appoint Shri R. Subramanian, Accounts Officer (on deputation as Senior Accounts Officer in the Ministry of Defence (Department of Defence Production), New Delhi, to officiatc in the junior time scale of the regular cadre of the Indian Defence Accounts Service with effect from 10th January, 1978 (forenoon) until further orders, under 'Next Below Rule'.

V. S. BHIR.

Additional Controller General of Defence Accounts.

New Delhi-110022, the 25th February 1978

No. 40011(1)/78/AN-A—(1) The undermentioned Accounts Officers were/will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation:—

51. No.	Name with Roster Number		Grade	Date from which transfers to pension establishment	Organisation
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)
Sa	irvashri				
	K. Padmanabhan-I (P/18)	٠.	Permanent Accounts Officer.	31-5-78	Controller of Defence Account (Other Ranks) South, Madras
2.	D. N. Bhargava, (P/90) .		Permanent Accounts Officer.	31-3-78	Controller of Defence Account (Pensions) Allahabad.
3. /	A. C. Kapoor (P/114) .		Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Account (Other Ranks), North, Meerut
	S. Hariharsubramony (P/161)		Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
5.	V. S. Venkatasubban (P/230)	٠ .	Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Account Suthern Command, Pona.

1	2		3	4	5
6.	Sarvashri P. Pasupathy (P/260)		Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Contriler of Defence Accounts
7.	S. S. Joshi, (P/264)		Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Southern Command, Poona. Controller of Defence Accounts
8.	B. Mukherjee (P/275)		Permanent Accounts Officer.	31-5-78	Southern Command, Poona. Controller of Defence Accounts
9.	V. Ramachandran (P/284)		Permanent Accounts Officer.	31-5-78	(Factories), Calcutta. Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
10.	P. N. Datir (P/542)		Permanent Accounts Officer.	31-5-78	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.
11.	Narayandas Chakraborty (P/617)		Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.
12.	ĭ, D. Joshi, (P/679)	•	Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
13.	A. Paul Raj (O/1)		Officiating Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
14.	V. S. Krishnamurthy (O/72)	•	Officiating Accounts Officer.	31-5-78	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
15.	C. L. Joseph (O/251)		Officiating Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts (Navy), Bombay
16.	M. R. Upadhye (O/313)		Officiating Accounts Officer,	31-5-78	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.

2. The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the undermentioned Accounts Officer. He has been struck of the strength of the deartment with effect from the date shown against this name.

St. No.	Name with Roster Number	Grade	Date of death.	Struck of strength of the Department.	Organisation.
1. \$	Shri S. K. Sinha Offg. AO (O/46)	. Offg. Accounts Officer.	6-11-77	7-11-77 C. (FN)	D. A. (Fys.) Calcutta.

R. VENKATARATNAM,

Deputy Controller General of Defence Accounts (Adm)

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS,

New Delhi, the 2nd March 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/100/55-Admn(G)/2054.—The President is pleased to appoint Shri K. Jayaraman. Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, to officiate as Joint Chief Controller of Imports and Exports in that office, with effect from the forenoon of the 9th February, 1978, until further orders.

K, V. SESHADRI,

Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 21st February 1978

No. A-19018/339/78-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Dr. A. K. Banerjee (Gr. II of IFS) as Director (Gr. II) (E.I.) in the Small Industry Development Organisation on ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 7-2-1978.

2. Consequent upon his appointment Dr. A. K. Banerice assumed charge of the post of Director (Gr. II) (Economic

Investigation) in the office of the Development Commissioner, Small Scale Industries w.e.f. the forenoon of 7-2-1978.

No. 12(169)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri N. K. Sen, Deputy Director (Chemical) in Small Industry Development Organisation and on deputation to the Govt of Afganistan under LT.C. Programme as Expert in General Engineering Industry in Kabul, to retire from Govt. service w.e.f. the afternoon of 30-9-1975 on attaining the age of superannuation.

The 23rd February 1978

No. 12(648)/70-Admn,(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri S. K. Basu, Superintendent as Assistant Director (Gr. II) (General Administrative Division) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 2-2-1978, until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri S. K. Basu has assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (G.A.D.) in the Small Industries Service Institute, Kanpur w.e.f. the forenoon of 2-2-1978.

The 24th February 1978

No. A-19018/341/78-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri C. S. Chaturvedi, Hindi Translator in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries to officiate as Assistant Editor (Hindi) on ad-hoc basis, in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 4th February, 1978.

2. Conseuent upon his appointment Shri C. S. Chaturvedi has assumed charge of the post of Assistant Editor (Hindi)

in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi w.e.f. 4-2-1978 (F.N.).

V. VENKATRAYULU

Deputy Director (Admn.).

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 3rd March 1978

No. E.II(7).—In this Department's Notification No. E.II(7) dated 11th July, 1969, under Class 6 Division 2, and "S. CORD III" after the entry "S. CORD II"

I.N. MURTY

Chief Controller of Explosives.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 1st March 1978

No. A-1/1(1046).—Shri A. K. Shome, Superintendent and officiating Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 28th February, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-I/1(1101). -Shri Jadu Prasad, Superintendent (Supervisory level II) and officiating Assistant Director (Admn) (Grade II) in the Director of Inspection, N.I. Circle, New Delhi retired from Government Service with effect from the afternoon of 28th February 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 6th March 1978

No. A-1/1(253).—Shri S. K. Mallick, officiating Deputy Director in the Director of Supplies and Disposals, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 28th February, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(322).—Shri P. C. Mathur, permanent Director in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 28th February, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

SURYA PRAKASH,

Deputy Director (Administration) for Director General of Supplies & Disposal

(ADMINISTRATION SECTION A 6)

New Delhi, the 27th February 1978

No. A-6/247(267),—Shri B. B. Bancriee a permanent Dy. Director of Inspection (Met-Chem) in grade II of the Indian Inspection Service, Met-Chem Branch (Class-I) in Burnpur Inspectorate under the Directorate General of Supplies and Disposals, retired from Goyt. Service on the afternoon of 31-1-78 on attaining the age of superannuation.

SURYA PRAKASH Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF STEEL IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 21st January 1978

No. IISCO/Compensation/Policy/10893.—In exercise of the powers conferred upon me as Commissioner of Payments under Section 5(2) of the Indian Iron and Steel Company (Acquisition of Shares) Act, 1976 (Central Act 89 of 1976), I hereby authorize Shri S. R. Barua Chowdhury, an Officer appointed by the Central Government vide Department of Steel Notification No. Ind.II-8(108)/76 dated 27-1-78 as endorsed to me in Ministry's No. Ind(II)8(108)/76 dated

27-1-78 to discharge for and on my behalf, all or any of the powers vested in me as such Commissioner of Payments, as provided under sections 8 and 10 of the said Act.

P. K. SARKAR, Commissioner of Payments

DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 4th March 1978

No. A.19012(56)/73-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri B. Sanjeeva Rao, Assistant Research Officer (Ore Dressing) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14th February, 78 until further orders.

H. K. TANEJA, Administrative Officer, for Controller.

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 2nd March 1978

No. 1861/B-40/59/19A.—Shri T. P. Ganguly, Asstt. Administrative Officer, Geological Survey of India, retired from Government service on superannuation with effect from 31st December, 1977 (Afternoon).

No. 1878/B/40/59(JNG)/19A.—The Director General, Geological Survey of India is pleased to accept the resignation tendered by Shri J. N. Ghosh, Administrative Officer from the service in the Geological Survey of India with effect from 16-12-1977 (afternoon).

V. S. KRISHNASWAMY, Director General.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 27th February 1978

No. 10/112/77/SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Babu D. to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Indore with effect from 14-11-77.

The 2nd March 1978

No. 10/93/77/SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Harish Kumar Gupta to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Ahmedabad with effect from 17-1-1978.

A. K. BOSE,
Deputy Director of Administration,
for Director General

New Delhi-1, the 4th March 1978

No. 6(22)/62-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri R. Mahadevan, Extension Officer (FW), All India Radio, Madras as Programme Executive, All India Radio, Madras in a temporary capacity with effect from 17th February, 1978 and Until further orders.

N. K. BHARDWAJ, Dy. Director of Administration, for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

New Delhi-1, the 28th February 1978

No. A-20012/1/71-FD(Admn.)Vol.II.—Shri K. C. Bikh-chandani, Ad-hoc Stores Officer in the Films Division, New

Delhi has been appointed to officiate as Assistant Administrative Officer, Films Division, New Delhi from the F.N. of 13th February, 1978 to 23rd March, 1978 vice Shri S. K. Roy, Assistant Administrative Officer granted leave.

S. N. SINGH,

Assistant Administrative Officer, for Chief Producer

DIRECTORATE OF FILM FESTIVALS

New Delhi, the 13th March, 1978

No. 2/1/78-FFD.—The last date for receipt of completed entry forms and prints of films for the Twentyfifth National Film Festival, 1978, is hereby extended from 15th March, 1978 to 21st March, 1978.

V. S. KATARA, Director of Films

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 25th February 1978 CORRIGENDUM

No. A.32012/1/76(SJ)Admn.I.—In this Directorate Notification No. A.32012/1/76(SJ)-Admn.I, dated 31-10-77, for "8th October, 1977" read "8th August, 1977".

The 6th March 1978

No. A.12024/5/76(CHEB)-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. P. Chakravarty to the post of Publicity Officer (Audio-Visual Aids), C.H.E.B., Directorate General of Health Services, New Delhi with effect from the forenoon of 19th December, 1977 on an ad-hoc basis until further orders.

No. A.12025/43/76-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Kuldeep Kumar Mathur to the post of Research Officer (Entomology) at the National institute of Communicable Diseases, Delhi with effect from the forenoon of 19th May, 1977 on a temporary basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA Dy. Director Administration (O&M).

New Delhi, the 28th February 1978

No. A.19019/25/77-CGHS.1.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Miss) S. Vijaya-lakshmi to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme at Bangalore on temporary basis with effect from the afternoon of 24th December, 1977.

Dr. M. B. Singh, Ayurvedic Physician (ad-hoc) in C.G.H.S., Bangalore, relinquished charge of his post with effect from the afternoon of 24th December, 1977.

N. S. BHATIA, Deputy Director Admn. (CGHS).

PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehra Dun, 4th March 1978

No. 3-2/78-ADM.—Shri P. S. Ahluwalia, Section Officer, Ministry of Finance (Defence Division) is hereby appointed as Administrative Officer in Preinvestment Survey of Forest Resources, Dehra Dun on deputation terms with effect from 24-2-78 (F.N.) on the terms and conditions contained in Ministry of Agriculture & Irrigation (Dentt. of Agriculture)'s letter No. 30-4/76-EE.1/Forest Estt. dated 30-12-77, until further orders.

S. B. PALIT. Chief Coordinator.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORE

Bombay-400001, the 23rd February 1978

No. Ref. DPS/2/1(16) /77.Adm./7414.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated December 29, 1977, Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Parari Kizhakkodan Radhakrishnan, officiating Storekeeper in the Stores Unit (DPS). VEC Project at Calcutta as an Assistant Stores Officer on an ad hoc basis in the same Directorate for a further period ending April 29, 1978.

B. G. KUĻKARNI, Assistant Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 1st March 1978

No. ADM-1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. Gajapathi Rao as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 14, 1978 until further orders.

No. AMD-1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri P. Rajasekaran as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 13, 1978 until further orders.

S. RANGANATHAN,

Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 23rd February 1978

No. SAC/EST/TESC/13/78.—The Director is pleased to appoint Shri Anand Swarup Agarwal as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation, Department of Space with effect from November 14, 1977 until further orders.

S. G. NAIR,

Head, Personnel & Gen. Admn.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the

1978

No. A.39013/6/77-EA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to accept the resignation of Shri S. K. Singh, Asstt. Aerodrome Officer, Madras Airport, Madras with effect from the 31st December, 1977 AN.

S. L. KHANDPUR,

Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 28th February 1978

No. A.32013/9/77-E.L.—The President is pleased to appoint Shri P. R. Chandrasekhar, Deputy Director, Research & Development, to the post of Director, Research & Development, Civil Aviation Department for the period from 19th September, 1977 to the 31st January, 1978, on an ad-hoc basis.

P. C. JAIN,

Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 1st March 1978

No. A. 38013/3/77-EAl—Shri L. A. Lobo, Asstt. Aerodrome Officer Bombay Airport, retired from Govt service with effect from the 31st December, 1977 AN under the provisions of F. R. 56(K).

Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 2nd March 1978

No. A. 32014/4/76-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shii G. P. Rao, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc busis with effect from the 15-11-77 (FN) and to post him at the same station.

S. D. SHARMA Dy. Director of Administration.

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL FXCISE & CUSTOMS PATNA

Patna, the 1st March 1978

C. No. II(7)1-Et/78.—In pursuance of this officer Estt. Order No. 192/77 dated 30-7-77, as modified under Estt. Order No. 327/77 dated 8-12-77 Sri Y. N. Pandey, Inspector of Central Excise & Customs on promotion to officiate as Superintendent, Central Excise & Customs Group "B" has assumed charge as Superintendent, Customs (Prev), Gopalgan in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-100-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules, in the fore-noon on 15-12-77.

C. No. 11(7)2-Et/78/2007,—In pursuance of Ministry's order No. 181/77 dated 19-11-77 and this office Fatt. Order No. 328/77 dated 8-12-77 Smty. Komla Choudhury, Assistant Collector, Customs, Calcutta assumed charge as Assistant Collector (Tech), Customs, Patna in the fore-noon on 7.2.78.

H. N. SAHU

Collector Central Excise Patna

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 27th February 1978.

No. A-12017/5/76-Adm.V.—In continuation of Notification No. A-19012/18/77-Adm.V. dated the 18th January 1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the al-hoc appointment of Shri B. K. Goswami to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Gauhati Gauging Division, Gauhnti, in the scale/of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely tempotative basis for a further period of four months i.e. from 1-3-1978 to 30-6-1978 or till a regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier.

No. A-12017/5/76-Adm.V.—In continuation of Notification No. A-19012/19/77-Adin.V. dated the 7th December, 1977, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the ad-hoc appointment of Shri S. A. Shah to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Coimbatore gauging Division, Coimbatore, Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000 EB-40-1200 on a purely temporary basis for a further period of four months i.e. from 1-3-78 to 30-6-1978 or till a tegular officer in the grade becomes available, whichever is earlier.

The 28th February 1978

No. A-32014/1/77-Adm. V:—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following Officers who are presently officiating in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on an ad-hoc basis on a regular bas s in an officiating capacity, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-BB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the dates shown against their names !—

Sl. No.	Name of Officer & Design	gnati	ion 		Date from which appointed on regular. basis 3
	ri I. R. S. Subramanyam Assit, Engineer.	•	•	•	5-7-77(F.N.)

1					3
2.	Km. Yamuna Devi T. S., Asstt. Engineer.	-			21-7-77(F.N.)
3.	Shri V. V. Ramana Sarma Asstt. Engineer.	i ,	٠	•	31-7-77(A.N`
4.	Shri C. Venkat Rao · Asstt. Engineer.	•	•	•	28-7-77(F.N.)
5.	Shri Rathindra Lal Dutta Extra Assistant Director		•	-	30-9-77(F,N.)
6.	Shri A. K. Valsalan Asstt. Engineer.	•	٠	•	5-11-77(F.N.)
7.	Shri N. K. Roy · · · Asstt. Engineer.	•	•	•	7-9-77(F.N.)
8.	Shri B. Venkat Rao · Asstt. Engineer.	•	•	•	14-10-77(F.N.)
9.	Shri K. C. Idiculla Asstt. Engineer.	٠	•	٠	10-10-77(F.N.)

2. The above officers will be on probation for a period of two years with effect from the dates shown against each.

J. K. SAHA.

Under Secretary

Central Water Commission.

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 1st March 1978

No. 23/2/77-EC-11:—The following Officers of Central Public Works Department on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from Government service with effect from 28-2-1978 (AN).

Name & Designation	Office
Shri Harbajan Singh, Chief Engineer.	Delhi Administration, New Delhi.
2. Shri N. Samanta, Executive Engineer (Electrical).	Andaman P.W.D., Port Blair.
3. Shri N. K. Chakravarty, Executive Engineer (Electrical).	Calcutta Aviation Electrical Division, Calcutta-700020.
4. Shrí B. P. Gupta, Executive Engineer (Civil).	Valuation Unit No. VII, Central Board of Direct Taxes, Calcutta.

S. S. P. RAU, Deputy Director of Administration for Director-General (Works)

New Delhi, the 28th February 1978

No. 33/12/73-EC1X/27/49/77-EC1X.—The President is pleased to appoint Shri R. L. Aggarwal), a nominec of the U.P.S.C. against the temporary post of Architect (G.C.H. Group A) in the C.P.W.D. on a pay of Rs. 1100/- P.M. in the scale of Rs. 1100-50-1600 (plus usual allowances) with effect from 18-2-78 (FN) on the usual term and conditions.

2. Shri Aggarwal is placed on probation for period of two years with effect from 18.2.78.

D. P. OHRI Dy. Director Adm.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s R. S. Gupta Steel Rolling & General Mills Private Limited.

Jullundur, the 28th February 1978

No. G/State/560/3354/13110.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the M/s R. S. Gupta Steel Rolling & General Mills Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL Registrar of Companies Punjab, H.P. & Chandigarh.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of $\,$ M/s Orissa Minerals & Chemicals Limited.

Cuttack, the 4th March 1978

No. S. O. 643/6576(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, that at the expitation of three months from the date hereof the name of the M/s Orissa Minerals & Chemicals Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

D. K. PAUL Registrar of Companies Oussa.

In the matter of Companies Act 1956 and of Saastha Films Private Limited.

Madras-6, the 6th March 1978

No. DN/4605/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) Sec. 560 () of Companies Act 1956 that at

the expiration of three months from the date here of the name of Saistha Films Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

C. ACHUTHAN
Asst, Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras.

DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT SERVICES (INCOME TAX), AIWAN-E-GHALIB, MATA SUNDRI LANE, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 13th February 1978

F. No. 36/7/78-AD/DOMS/1645.—On his Selection for appointment on deputation, Shi Hari Shaakar Srivastava, Income-tax Officer, Class-I, has assumed the charge of the office of the Assistant Director, Directorate of Organisation & Management Services (Income-tax), New Delhi w.e.f. the forenoon of 9th February, 1978.

JAGDISH CHAND DIRECTOR

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX Amritsar, the 6th March 1978

No. CB/4/Vol.VI/2683.—Shri S. L. Vermani, Income-tax Officer, Class-II died on 26-2-1978.

B, R, ABROL

Commissioner of Income Tax Amritsar

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 3rd March 1978

Ref. No. IAC/Acq./1299/77-78/.--Whereas, I. N. S. CHOPRA

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

25/145 situated at Shakti Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Delhi on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian said Act, or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following sions, namely:-

(1) Smt. Sushilla Rani alias Sushila Agarwal alias Sushila Devi w/o Shri Rajendra Prasad, R/o 25/134 Shakti Nagar, Delhi

(Transferor)

(2) 1. Shri Devender Kumar Goyal S/o Shri Chedha Lal,

Smt. Attar Kali. W/o Shri Om Parkash, R/o 2202, Masjid Khazoor, Delhi.

(Transferce)

(3) M/s. New Super Cooperative Consumer Store. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A three storeyed house constructed on a plot of land measuring about 200 sq. yds. bearing property No. 25/134, Shakti Nagar, Delhi and bounded as under:— North: Building No. 25/139 South: Building No. 25/133

Fast: Road 40' West: Service Road 15 ft.

N. S. CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 3rd March, 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poons-411004, the 13th February 1978

Ref. No. CA5/July'77/Thana/349.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2, H. No. 1-CTS No. 77 Tikka No. 15 situated at Thana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Thana on 30-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Govind Hiraji Nakhwa, Smeeta, Behind United Sports Club, Chendani, Koliwada, Thana (East).

(Transferor)

(2) M/s. M. F. More & Co. "Devdaya", Vishnu Nagar, Naupada, Thana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Vishnu Nagar, Naupada, Bajiprabhu Deshpande Road, Taluka and District Thana in the Registration Sub-District of Thana and containing by admeasurement 577.00 sq. yds.

i.e. or thereabouts and bearing S. No. 2 (part) C.T.S No. 77 Tikka No. 15 and bounded as follows: On the Fast by Vir Banprabhu Deshpande Road, on the West by "Declip Kunj" on the North by Mr. Hiraji Nakhwa's property and on the South by Mi Mhatre's property.

(Property as described in the sale deed registered under No. 200 dated 30-7-1977 in the office of the Sub-Registrar, Thana).

Smt. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 13-2-1978

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, KANPUR

Kanpur, the 4th March 1978

Ref. No. Acq/1368-A/Dehradun/77-78/,—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

29 and 47/11, Vidhan Sabha Marg, Lucknow (Four storeyed AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dehradun on 23-9-1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

11-516 GI/77

- (1) BDR. Lakshmi Narain Sabherwal,
 Col. Jagdish Narain Sabherwal,
 Col. Om Prakash Sabherwal and
 Shii Suraj Narain,
 All sons of late Shii Shiv Narain Sabherwal,
 R/o I, Birpur Estate, Dehradun
 Through Attorney BDR. Lakshmi Narain Sabherwal.
 (Transferor)
- (2) Shri Rakesh Kumar Bansal Son of Late Dharam Prakash Bansal, R/o No. 3, Dhapwala Bazar, Dehradun.

(Transferce)

(3), Shri I. C. Swami, Meena Garwal.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of single storied house bearing No. 35/48, situated at National Road, Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 70,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th March 1978

Ref. No. Acq/967-A/B. Shahar/77-78/.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikandrabad on 21-6-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tularam Alias Tulli S/o Dal Singh, R/o Village Mohammadpur, Gudar, Parg. Dankaur, Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Smt. Lakhmeri w/o Bachchu Singh, Smt. Kalawati w/o Jila Singh, R/o Samauddinpur Chandrawati w/o Mahar Chand and Bharpai w/o Dharam Veer, R/o Kaimrala Parg. Dankaur, Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 9 bigha 12 biswa situated at Mohamadpur, Parg. Dankaur, Distt. Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 8-3-78

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269B(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Shiv Singh S/o Sher Singh, R/o Dugrajaat, P.O. Sarvani, Parg, and Teh. Anupshabar, Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) S/Shri Lakhmi Chand and Baburam, Both sons of Raji Lal, R/o Gugrajaat, P.O. Sarvani, Parg. and Teh. Anupshahar, Distt. Bulandshahar,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th March 1978

Ref. No. Acq/951-A/B.Shahar/77-78/.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Anupshahar on 3-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 5 Bigha, 14 Biswa and 7 Biswansi, situated at Village Vahangeerabad, Tch. Anupshahai, Distt. Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 55,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 8-3-78

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th March 1978

Ref. No. Acq/1065-A/B.Shahar/77-78/.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Anupshahar on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shiv Lal son of Kidamal R/o Bandhor Parg Dibai, Teh. Anupshahar, Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Devi w/o Digamber Lal Sharma Village Panna, P.O. Gangawali, Teh. Khurja, Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land comprising in Khata Numbers 165 and 62, measuring 6 Bigha 19 Biswansi, situated at Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 36,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 8-3-78

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 10th March 1978

Ref. No. Acq/884/Agra/77-78/.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing sy. No. as per schedulo situated at

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 26-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Gayatri Devi w/o Shanti Swaroop Goyal, R/o 20, Nchru Nagar, Agra.

(Transferor)

(2) Vinod Singh Jain, S/o Jalim Singh Jain, 9/355, Moti Katra, Agra.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property bearing No. 36/330 (Kothi No. 86) Nehru Nagar, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 2,05,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-3-78

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th March 1978

Ref. No. Acq/1018-A/B.Shahar/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bulandshahar on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth, tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Ram Chander S/o Kanhiya, R/o Vill. Pipasa, P.O. Aurangabad, Parg. Syana, Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) S/Shri Shyodan Singh, Jeet Singh, Rajendra Singh, Agamveer Singh, Ashok Singh Sons of Sardar Singh and Sumitra Devi W/o Jagveer Singh, R/o Vill. Pipasa, P.O. Aurangabad, Parg. Syana, Distt. Bulandshahar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 7 Bigha, 4 Biswa and 15 Biswani situated at Parg. Syana Distt. Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-3-78

(1) Shri Guru Shanker Chaudhari, 113/331, Ashok Nagar, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Agrawal Plastic Industries Pvt. Ltd. 111/324, Ashok Nagar, Kanpur. Through Sri Rajendra Kumar Agrawal, Director. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, KANPUR

Kanpur, the 10th March 1978

Ref. No. Acq/826/Kanpur/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur, on 18-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House property bearing No. 148-B, Dadanagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 95,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 10-3-78

object of :-

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th March 1978

Ref. No. Acq/1016-A/Budhana/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Budhana on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent conisderation and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Sahab Singh S/o Khila R/o Issapur, Purg. Kandhla, Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar

(Transferor)

(2) Shri Kala S/o Mukhtyara, Shri Bhola S/o Khacheru, S/Shri Peetamber Singh, Palla and Kripal S/o Gagnu Singh, S/Shri Om Prakash and Peetam (Minor) S/o Tilka Through Om Prakash R/o Issapur, Parg. Kandhala, Muzaffarnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agricultural land measuring 15 Bigha 3 Biswa situated at Vill. Issapur, Parg. Kandhala. Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 61,425/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 10-3-78

Roorkee on June, 1977

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR,

Kanpur, the 10th March

Ref. No. Acq/983-A/Roorkee/77-78/.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922) (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
12—516 GI/77

 S/Shri Abdul S/o Alladiya, Ahsan Ilahi and Mohd. Saleem and Nasecm, Sons of Abdul Through Smt. Aashee R/o Village Ransura, Parg. & Tch. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Said Ahmad, Saleem Ahmad and Naseem Ahmad Sons of Ishaq, Jahid Hasan, Abdul Sahan, Mohd, Iqbal, Mohd, Islam Sons of Yaseen through Mohd, Yaseen (Father and Natural Guardian), Mohd, Aakil, Mohd, Galib, Mohd, Talib, Mohd, Shakeel, Mohd, Aarif and Mohd, Nafees sons of Mohd, Kasim (Father), R/o Village Ransura, Parg. & Teh, Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 17 Bigha 19 Biswa situated at Village Ransura, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 54,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 10-3-78

 Shri Bhagat Ram S/o Kanhaiya, R/o Chandrawali, Parg. Sikandrabad, Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th March 1978

Ref. No. Acq/971-A/G.Bad/77-78/.—Whereas, 1, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having

a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sikandrabad on June 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) S/Shri Harpat Singh and Dhanpal Singh Both Sons of Rajaram R/o Chandrawali Parg. Sikandrabad and Harpati Devi W/o Ram Chander R/o Kaila, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 7 Bigha, 10 Biswa and 10 Biswansi, situated at Vill. Chandrawali. Parg. Sikandrabad, Distt. Ghaziabad transferred for an apparent consideration of Rs. 60,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 10-3-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **DHARWAR-4**

Dharwar-4, the 9th March 1978

Notice No. 208/77.78/Acq.-Whereas, L. D. C. RAJA-GOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing M. No. 924(Old), 860(New), Asst. No. 884 situated at B.H. Road, Arsikere,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Arsikere, under Document No. 3295/77.78 on 13-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) (1) Shri S. Nanjappa S/o Sombegowda,
 - (2) Kumar Lakshminarayan S/o Nanjappa (3) Kumar Shanthakumar S/o Nanjappa (4) Kumar Shreedhar S/o Nanjappa, and (5) Kumar Girish Babu S/o Nanjappa

Now residing at M/s. Cauvery Soap Nut Industries Near Opera, Mysore City.

(Transferors)

(2) Shri S. M. Veerabhadrappa S/o Kallajjappana Marulappa, Scitihally Hobli, Singatagere Hobli, Kadur Taluk, (Chickmagalore Dist).

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property consists of a R.C.C. Building and vacant site situated on B.H. Road, Arsikere, bearing Municipal No. 924 (Old), 860(New), Asst. No. 884.

D. C. RAJAGOPALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar.

Date: 9-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 9th March 1978

Notice No. 209/77-78/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJA-GOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. 2535, 2536 and 2537, situated at Fort Area, Holenarasipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Holenarasipur under Document No. 2848 on 16-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Y. Ananthanarayan, Assistant Professor, P.S.G. College of Technology, Coimbatore,
 - Shri Jeevanshankar, Lecturer, Indian Institute of Science, Bangalore,
 - (3) Shri N. Panduranga Vittal, Foremen. Bocoro Steel Factory, (Bihar State),
 - (4) Smt. Sarojamma W/o Late Y. Narasappa, Staying at Sl. No. 1.
 - (5) Kumari H. N. Kalawathi
 - (6) Kumari Naveenamba
 - (7) Kumari Vimalabai
 - (8) Kumari Leelavathi Address Sl No. (1).

(Transferors)

- (2) (1) Shri A. S. Parameshwariah,
 - (2) Shri A. S. Mahadevaiah, and
 - (3) Shri A. S. Shridhariah, M/s. A. S. Parameshwariah & Bros., Indian Oil Dealers, Holenarashipur (Hassan Dist.).

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The immovable property consists of R.C.C. building, two buildings and vacant site, bearing Nos. 2535. 2536 and 2537. Situated in Fort Arca, Holenarasipur.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date: 9-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th March 1978

Ref. No. AP-1759/.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Sarai Khas (Jullundur)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jullundur on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Prito, Dhano Ds/o Shri Mangta S/o Shri Roda, Vill. Sarai Khas, Teh. Jullundur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Sewa Singh s/o Shri Darshan Singh S/o Shri Roda.
 - S/o Shri Roda,
 2. Shri Balwinder Singh,
 3. Shri Dilbagh Singh,

Ss/o Shri Dhana s/o Shri Roda, Village Sarai Khas, Teh. Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sarai Khas. Teh. Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 2821 of July, 77 of the registering authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 6-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th March 1978

Ref. No. AP-1760/.--Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at Preet Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tranfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Amar Nath s/o Shri Prabh Dayal R/o Ghardiwal, Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Satya Ram s/o Shri Kani Ram, Peon Bank of India, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the registration sale deed No. 2279 of July, 77 of the registering authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax;
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 6-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 6th March 1978

Ref. No. AP-1761/-.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

Green Park, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on July, 1977

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intlate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sadhu Singh s/o Shri Narain Singh 545-Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Bhajan Singh s/o Shri Mehar Singh R/o V: Rurka Kalan, Teh. Phillaur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 140-Green Park, Jullundur as mentioned in the registration sale deed No. 2466 of July, 77 of the registering authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 6-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th March 1978

Ref. No. AP-1762/.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961 hereinafter) referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- bearing

AS PER SCHEDULE

situated at Chak Hussain-Lama Pind (Jullundur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Jullundur on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Puran Singh s/o Shri Battan Singh G.A. to Shri Santokh Singh s/o Shri Bishan Singh, R/o Santokhpura, Jullundur,

(Transferor)

(2) S/Shri Darshan Singh, Sucha Singh, Ss/o Shri Puran Singh R/o Santokhpura, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Chak Hussaina-Lama Pind, Jullundur as mentioned in the registration sale deed No. 2611 of July, 77 of the registering authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 6-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE IUI LUNDUR

Jullundur the 6th March 1978

Ref No AP 1763 -- Whereas, I, B S DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₃ 25 000/and bearing AS PFR SCHEDULE

situated at Old Jawahai Nagar Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundui on July 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pur poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-13-516 GI/77

(1) 1 Smt Mohinder Kaur

wd/o Shri Surjit Singh (Self) and G, A to

Km Narinder Kaur (Minor) Shri Harbhajan Smgh 9/0 Shri Surjit Singh

4. Permjit Singh s/o Shri Surjit Singh

5. Pervinder Kaur Kulwant Kaur

ds/o Shri Surjit Singh, 983-B, Prem Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh s/o Shri Santa Singh, 3-B Old Jawahar Nagar, Jullundur

(Transferee)

(3) As per Si No 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House as mentioned in the registration sale deed No 2681 of July 77 of the registering authority, Jullundur

B. S DEHIYA

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Juliundur.

6-3-1978 Date Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 18th February 1978

Ref. No. AP/117/BD/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated Vill. Deo Wal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect o fany income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Harbhajan Singh s/o
 Sh. Jawala Singh s/o
 Sh. Watan Singh, Village Deo Wal,
 Teh. & Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) S/Sh. Khushi Ram, Malkiet Singh ss/o Sh. Shanker Dass, village Khawaspur & (2) Sh. Dalipa s/o Sh. Uttam, village Kandhali.

(Transferec)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 85 Kanals in village Deo Wal, Teh. Hoshiarpur as mentioned in sale deed No. 957 of June, 1977 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 18-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME.TAX.

ACQUISITION RANGE. BHATINDA

Bhatinda, the 18th February 1978

Ref. No. AP 118/BT/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Village Bajwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferre dunder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hoshiarpur on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tarnsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Devi Dayal s/o Sh. Chiranji Lal s/o Sh. Girdhari Lal, village Bajwara, Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Sh. Sohan Singh, Sh. Mohander Singh ss/o Sh. Rattan Singh, village Mehli, Teh. Nawan Shehar, Distt. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 56 Kanals 18 merlas in village Bajwara, Tch. Hoshiarpur as mentioned in sale deed No. 1386 of July, 1977 registered with the S. R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date . 18-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 27th February 1978

Ref. No. AP No. 119/27/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per schedule situated at Malout (and more fully described in the Schedule annexed hereto). bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout on July, 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shanta Rani w/o Sh. Chaman Lal s/o Sh. Atam Ram, R/o Malout.

(Transferor)

[PART III-SEC. 1

(2) Smt. Bimla Devi w/o Sh. Jagan Nath s/o Sh. Aidan c/o M/s Jagan Nath Ashok Kumai. Near Old State Bank, Malout.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
 - [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house on a plot of land measuring 25'×60' i.e. 166.7 sq. yards situated in Adarsh Nagar, bearing No. BVIII/142 in Malout as mentioned in sale deed No. 1223 of July, 1977 registered with the S.R. Malout.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 27-2-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-I'AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF. BHATINDA

Bhatinda, the 27th February 1978

Ref. No. AP No. 120/BTD/77-78.—Whereas I. P. N. MALIK

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule

situated at Village Tehung

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shmt. Gurdev Kaur wd/o Sh. Avtar Singh s/o Sh. Ujjagar Singh, resident of village Tehung, Tch. Phillaur.

(Transferor)

- (2) Shri Amarjit Singh s/o Sh. Gurdial Singh s/o Sh. Ujjgar Singh (13 Kanals) (2) Sh. Jatinder Singh s/o Sh. Bikramjit Singh s/o Sh. Gurdial Singh (8 Kanal 1 Marla) V. & P.O. Tehung, Teh. Phillaur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Agricultural land measuring 21 Kanal I Marla in village Febiung, Teh. Phillaur as mentioned in sale deed No. 1670 of July. 1977 registered with the S.R. Phillaur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date . 27-2-1978 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE. BHATINDA

Bhatinda, the 27th February 1978

Ref. No. AP No. 121/BTD/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule

situated at Village Tehung

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phillaur on July, 1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shmt. Sukhjit Kaur d/o Sh. Autar Singh s/o Sh. Ujjagar Singh, village Tehung, Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Sh. Amarjit Singh and Sh. Vikrumjit Singh ss/o Sh. Gurdial Singh s/o Sh. Ujjagar Singh, village Tehung, Teh. Phillaur, Distt. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 18 Kanal and 6 Marlas situated in village Tehung, Teh. Phillaur as mentioned in sale deed No. 1469 of July, 1977 registered with the S.R.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 27-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 27th February 1978

Ref. No. AP No. 122/1377/77-78.—Whereas I. P. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule

situated at Vill. Samsabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appartent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Harbhajan Dass 3/0 Sh. Dhanna Ram S/0 Sh. Rama Ram, village Samsabad, Teh. Phillaur

(Transferor)

(2) Sh. Sucha Singh, Sh. Kewal Singh ss/o Sh. Banta Singh, s/o Sh. Bhula Singh, village Nagazza, Teh. & Distt. Jullundur

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Persons in occupation of the property]
(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46 Kanal 4 marlas in village Samsabad, Teh. Phillaur as mestioned in sale deed No. 1633 of July, 1977 registered with the S.R. Phillaur.

> P. N. MALIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda

Date: 27-2-1978

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHATINDA

Bhatinda, the 27th February 1978

Ref. No. AP 123/1377/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No. As per schedule situated, at Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on July, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Shanker Dass s/o Sh. Gandu Mal c/o Sh. D. P. Sud, V-B/III/118-Bharat Heavy Electrical, Ranipur, Haridwar (UP).

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Pal, Sh. Brij Bhushan ss/o Sh. Om Parkash, House No. B-Π-545-35. Perhlad Nagar, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-II/545/35 in Perhlad Nagar, Hoshiarpur as mentioned in sale deed No. 1573 of July, 1977 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 27-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 16th March 1978

Rcf. No. AP 130/BT/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule

As per schedule situated at Gari Maha Singh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922)11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

14—516 GI/77

 Sh. Kewal s/o Sh. Bhagat Singh, Sh. Kala Dass ss/o Sh. Roda s/o Sh. Sunder Singh, R/o Gari Maha Singh, Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Sh. Lambar Singh s/o Sh. Bujha Singh, R/o Jajja Khurd, Tch. Phillaur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 Kanals in village Gari Maha Singh as mentioned in sale deed No. 1467 of July. 1977 registered with the S.R. Phillaur.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 6-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. No. AP/131/BT/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Indna Kalcıka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phillau on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Faquir, Sh. Hazoora Singh ss/o Sh Bikkai Singh, V.P.O. AUR, Teh. Phillaui.

(Transferor)

(2) Smt. Avtar Kaur w/o Sh. Satnam Singh, V.P.O. Paddi Khalsa, Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 Kanals and 15 marlas in village Indna Kalerka, Teh. Phillaur as mentioned in sale deed No. 1627 of July, 1977 registered with the S.R. Phillaur.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinga

Date: 6-3-1978

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. No. AP 132/1377/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule

situated at Vill. Mudki

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ferozepur on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Jit Singh s o Sh. Ram Singh s o Sh. Mehtab Singh, R o village Mudki, Teh. Ferozopur.

(Transferor)

(2) Sh. Major Singh, s/o Sh. Bakhtawar Siingh s/o Sh. Bhagat Singh, village Wallor, Tch. Ferozepur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 69 Kanals and 4 marlas in village Mudki, as mentioned in sale deed No. 2044 of July, 1977 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 6-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. No. AP 133/1377/77-78.—Whereas I, P. N MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Sodhi Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ferozepur on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Thakur Singh, Shmt. Tej Kaur widow, Smt. Kartar Kaur, Smt. Chando, Smt. Daljit Kaur wd/o Sh. Kundan Singh, R/o village Sodhi Nagar, Teh. Ferozepur.

(Transferors)

(2) Sh. Amrik Singh, Sh. Namder Singh s/o Sh. Karnail Singh, Shmt. Gurnam Kaur w/o Sh. Kartar Singh, R/o village Sodhi Nagar, Teh. Ferozepur.

(Transferees)

- (3) As per S. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 64 Kanals in village Sodhi Nagar as mentioned in sale deed No. 2096 of July, 1977 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 6-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. No. AP 134/BTD/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule

situated at Sodhi Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rajinder Kaur W/o Sh. Mohinder Singh, s/o Sh. Sadhu Singh, village Sodhi Nagar, Tch. Ferozepur.

(Transferor)

(2) S/Shri Ajit Singh Mohinder Singh Niranjan Singh, Harbhajan Singh ss/o Sh. Nand Singh s/o Shri Bhag Singh, R/o Sodhi Nagar, Teh. Ferozepur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 Kanals and 7 marlas in village Sodhi Nagar as mentioned in sale deed No. 2181 of July, 1977 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 6-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. No. A.P. 135/BT/77-78.—Whereas 1, P. N. MALIK.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule

situated at Vill. Sodhi Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ferozepur on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Baljit Indet Singh Sodhi s/o
 Sh. Mohinder Singh Sodhi,
 R/o Mohinder Singh Sodhi,
 Teh. Ferozepur.

(Transferor)

(2) Smt. Dalip Kaur d/o Sh. Sucha Singh, R/o village Bhama I anda, Tch. Ferozepur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above,

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 YPI YNATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 68 Kanals in village Sodhi Nagar as mentioned in sale deed No. 2199 of July, 1977 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 6-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. AP 136/BDT/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule

situated at Vill. Data (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Zira on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Prem Paul Singh and Shmt. Stwant Kaur s/o & d/o Sh. Kartar Singh, R/o Data, Teh. Zira.

(Transferors)

(2) Shmt. Charanjit Kaur w/o Sh. Bant Singh, R/o Jalaliana, Teh. Faridkot.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above,

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 54 Kanals and 14 Marlas situated in village Data as mentioned in sale deed No. 2567 of July, 1977 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 6-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. No. AP 137/BD./77-78.—Whereas I, P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

As per schedule

situated at Kishan Pura Khurd

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at

Zira on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

- Sh. Pritam Singh s/o Sh. Thakur Singh, R/o Kishan Pura Khurd, Teh. Zira.
- Sh. Baj Singh s/o Sh. Teja Singh, R/o Kishan Pura Khuid, Teh. Zira,
- (3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 65 Kanals and 11 marlas in village Kishan Pura Khurd as mentioned in sale deed No. 2784 of July, 1977 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 6-3-1978

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. No. AP 138/BT/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 25,000% and bearing No. As per schedule

situated at Vill Bahik Guzran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, ramely:—

15-516 G1/77

 Smt Parsino d/o Smt. Attar Kaur wd/o Sh. Hira Singh, R/o Bahik Guzran, Teh. Zira.

(Transferor)

(2) Sut. Dalip Kaur w/o Sh. Makhan Singh s/o Sh. Suraj Singh R/o Bahik Guzran, Teh Zira.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning use given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 48 Kanals in village Bahik Guzran, as mentioned in sale deed No. 2478 of July, 1977 registered with the S.R. Zua.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinga

Date: 6-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, ΒΗΑΊΓΙΝΟΑ

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. No. AP 139/BT/77-78.—Whereas, I, P. N. MAIIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.

As per schedule

situated at Kaile

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Zira on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Kuldip Singh, Sh. Manjit Singh 55/0 Sh. Kitpal Singh, village Kaile, Teh. Zira.

(Transferors)

(2) Sh. Mukhtiar Singh, Sh. Tirlok Singh ss/o Sh. Harnam Singh s/o Sh. Jhanda Singh, village Kaile, Teh. Zira.

(Transferees)

- (3) As pet S. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-XPI ANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 Kanals in village Kaile as mentioned in sale deed No. 2839 of July, 1977 registered with the S.R. Zira,

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Bhatinda

Date: 6 3-1978

FORM JTNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. No. AP 140/BT/77-78.—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

As per schedule

situated at Vill. Kaile

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Kirpal Singh s/o Sh. Lal Singh s/o Sh. Mool Singh, village Kaile, Teh. Zira.

(Transferor)

(2) Sh. Mukhtiar Singh, Sh. Tarlok Singh ss/o Sh. Harnam Singh, village Kailc, Teh. Zira.

(Transferces)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 55 Kanals and 3 marlas in village Kaile, Teh. Zira as mentioned in sale deed No. 2838 of July, 1977 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda

Date: 6-3-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th March 1978

Ref. No. RAC. No. 237/77-78.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1-8-18 situated at Chikkadpally

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incomeor any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Sri Rama Reddy, G.H. No 1-8-18 at Chikkadpally, Hydcrabad.

(Transferor)

(2) Smt. Padma Bai, W/o Sii Kiishna Kumar (Agaiwal), H. No. 21-3-636 at Pattergatti, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPTANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-8-18 at Chikkadpally, Hyderabad, area 200 Sq. Yds registered vide Doc. No. 2004/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 9th March 1978

RCL No. RAC. No. 238/77-78 Whereas I, K S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps. 25,000/- and bearing No.

5-1-372/2 porrea Garmandi, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 30-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

- (1) I. Smt. Ayesha Begum,
 - 2, Snit. Mainanathunissa Begum,
 - 3. Smt. Lateefunissa Begum,
 - 4. Shii Syed Maqdoom,
 - 5. S.nt. Zubeida Banu,
 - 6 Shri Nasceruddin Shaik Imam,
 - Shii Nizamuddin Shaik Imam, If. No. 16-8-244/1 Kaladera, Malakpet, Hyderabad.
 - 8 Shii Munawainddin Shaik Imam,
 - 9. Shri Burhanuddin Shaik Imam,
 - 10. Smt. Zuhra Banu,
 - 11. Sri Momuddin Shaik Imam, All residing at H. No. 16-8-143/2, Kaladera Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. Koppuncori Basamma, W/o late K. Bownah,
 H. No. 5-1-385/1 Mekala Banda, Old Ghasmandi, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPIANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Open plot portion of II. No. 5-1-372/2 at Mekala-Banda, Old Chasmandi, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1198/77 with the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th March 1978

Ref. No. RAC. No. 239/77-78.—Whereas, J. K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/329/-F situated at Cuddapah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Cuddapah on July, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

 Smt. Allapureddy Laxhmamma, W/o A. Venkatnarayanreddy, Surabhi Village., Rayachoti-Tq., Cuddapah Dist.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Kadveti Hanumareddy, S/o Venkareddy, Yerramukapally, Gandhinagar, Cuddapah,
 - 2. Sri K. Ravindrareddy,
 - Sri K. Swathantrakumar Reddy, All residing at Gandhinagar, Cuddapah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 1/329-F situated at Gandhinagar, |Yarramukkipally), Cuddapah-Town registered vide Doc. No. 3637/77 with the Sub-Registrar, Cuddapah.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Datel : 9-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt, Chittam Kamallamma W/o Sri Chittam Lalliah, 112, Zeera Contpound, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Madapu Viramallesha S/o M. Bonthappa, H. No. 39-Zeera, Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th March 1978

Ref. No. RAC. No. 240/77-78.---Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

7-2-148 situated at Market St.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 20-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 7-2-148 at Mission School Street, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1128/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sabarmati Harijan Ashram Truat, Sabarmati Ashram, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Umang Park Co-op, Housing Society Ltd., Bungalow No. 91/27/1, Kalyan Gram Society, Outside Shahpur Gate, Ahmedabad,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMI DABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th January 1978

No. Acq.23-I-1328(623) (1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKII.

being the competent authority under Section 269B of th Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

S. No. 361-62-66 of Sub-Plot No. 21 of Ranip situated at Ranip, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 25-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 3998-09 sq. yards, bearing Nos. 361, 362 & 366, S.P. No. 21 of Ranip Ward and as fully described in sale-deed No. 4867 registered in the registering officer at Ahmedabad in the month of July, 1977.

S. C. PARIKII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 4th January, 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380-009, the 10th January 1978

No. Acq.23-I-1323(626)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propertry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

F. & P. No. 465/18-A-1 of T.P.S. 3 situated at Changespur Kalyan Society, Mithakhali, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
16—516 GI/77

 Shri Himmatlal Ranchhodlal, A/2, "Avkar Apartments", Opp. Devkinandan Society, Near Jain Derasar, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) (1) Shri Pradeepkumar Dipakbhai Shah,
 (2) Shri Pragnesh Deepakbhai Shah,
 2, Paras Kuni Society,
 Opp. Gujarat Samachar Building,
 Ahmedabad.

(Transferee)

 Smt. Shantaben Deepakbhai Shah, Kalyan Society, Mithakhali, Ahmedabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing Final Plot No. 465/18-A-1, T.P.S. 3, Ahmedabad—land area admeasuring 664 sq. yds. and built up area 353 sq. yds. and as fully described in sale-deed No. 4848 registered with the registering Officer, Ahmedabad in July, 1977.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 10-1-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th February 1978

No. Acq. 23-1-1379(632)/16-6/77-78.—Whereas I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

405-3, situated at Dr. Yagnik Road, Opp. Kanya Chhatralaya, Rajkot

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 14 7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Mansukhlal Ramjibhai, Power of Attorney Holder of—

 Shri Ramjibhai Savajibhai,
 Smt. Hemkunvarben Damjibhai, Bhupendra Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Raghunandan Harjiyanbhai,
 Jai Shyaram Pandaralla,
 Panchnath Plot, Rajkot.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed building standing on land admeasuring 266.6 sq. yds. bearing S. No. 405-3 situated at Dr. Yagnik Road, Opposite Kanya Chhatralaya, Rajkot.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 4th February 1978,

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GIVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th February 1978

No. P.R. No. 551 Acq.23-1016/13-8/77-78.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Tika No. 17 City Sur. No. 94/A/2A H. No. 1543 S. No. 285A/1/5 Paiki North side 428-66-26 paiki Ground Floor and Cellar situated at Santram Society, Nadiad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nadiad in June 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Kamuben daughter of Amin Jasbhai Shivabhai Santram Society, Nadiad.

(Transferor)

- (2) Ketankumar & Co., Through its partners:
 - Patel Ravindrabhai Manibhai,
 R. N. Mukharji Road, Calcutta.
 - Patel Rasikbhai Manibhai,
 R. N. Mukherji Road, Calcutta.
 - 3. Kusumben Kirtibhai, 16, Ravland Road, Calcutta.
 - 4. Kalapanben Jayantkumar, 16, Ravland Road, Calcutta.
 - Kanubhai Dahyabhai, Near Prabhat Cinema, Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being land and building, Tika No. 17, C.S. No. 94/A/2A Area 0-6-43 Ward 1, Sur. No. 285-A/1/5 (Paiki) Sq. mts. 642-98-39 (Paiki) North side Sq. Mts. 428/66/26 Paiki Ground Floor and Cellar R.C.C. Built up area 33.3 × 27.9 height 14 situated at Ratanjit Patti, Santram Society, Nadiad as described in the sale deed registered under registration No. 2074 in the month of June, 1977 by registering Officer, Nadiad.

P. C. GOEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 9th February 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th February 1978

Ref. No. P.R. No. 552 Acq.23-1017/13-8/77-78.—Whereas I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Tika No. 17, City Sur. No. 94/A/2A H. No. 1543 S. No.
285A/1/5 Paiki North Side 428-66-26 paiki 1st Floor and
Garage situated at Santram ociety, Nadiad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nadiad in July 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Kamuben daughter of Amin Jashhai Shivabhai Santram Society, Nadiad.

(Transferor)

(2) Ketankumar &Co.,

Through its partners:

1. Patel Ravindrabhai Manibhai,

21. R. N. Mukherii Band Cala

21, R. N. Mukherji Road, Calcutta. 2. Patel Rasikbhai Manibhai,

21, R. N. Mukherji Road, Calcutta.
3. Kusumben Kiritbhai Road, Calcutta.
16, Rav Land Road, Calcutta.

4. Kalapanaben Jayantkumar,

16, Rav Land Road, Calcutta.5. Kanubhai Dahyabhai,

Near Prabhat Cinema, Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being land and building, Tika No. 17, G.S. No. 94/A/2A Area 0-6-43 Ward 1 Sur No. 285A/1/5 (Paiki) Sq. mts. 642-98-39 (Paiki) North side Sq. mt. 428/66/26 (Paiki) 1st Floor and garage built up area 33.3 × 27.9 and 18 × 12.4" situated at Ratanji Patti, Santiam Society, Nadiad, as described in the sale deed registered under registration No. 2117 in the month of July, 1977 by registering Officer, Nadiad.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9th February 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th February 1978

Ref. No. P.R. No. 553 Acq. 23-1018/13-8/77-78.—Whereas, I, D. C GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Tika No. 17, City Sur No. 94/A/2A H. No. 1543 S. No. 285A/1/5 (Paiki) Sq. mt. 214-32-13 situated at Santram Society, Nadiad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nadiad in July 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Kamuben daughter of Amin Jashhai Shivabhai Santram Society, Nadiad.

(Transferor)

(2) Ketankumar & Co., Through its partners

1. Patel Ravindrabhai Manibhai, 21, R. N. Mukherji Road, Calcutta.

2. Patel Rasikbhai Manibhai,

21, R. N. Mukherji Road, Calcutta.

3. Kusumben Kiritbhai,

16. Rav Land Road, Calcutta.
4. Kalapanaben Jayantkumar,
16. Ravland Road, Calcutta.
5. Kanubhai Dahyabhai,

Near Prabhat Cinema, Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons wihin a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being land and building Tika No. 17, C.S. No. 94/A/2A Area 0-6-43 Ward 1, Sur. No. 285-A/1/5 (Paiki) Sq. mts. 214-32-33, built up area 37.3" × 28' stuated at Ratanji Patti, Santram Society, Nadiad, as described in the sale-deed registered under registration No. 2081 in the month of July. 1977 by registering Officer Nedded in the month of July, 1977 by registering Officer, Nadiad,

> P. C. GOEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 9th February 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th February 1978

Ref. No. P.R. No. 554 Acq.23-1019/19-7/77-78.—Whereas, J. D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Ward No. 9, Nondh No. 324 situated at Chakawala's Sheri, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 30-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Trustees appointed by Will of Pravinaben Harivadan Thakoi
 - 1 Shri Hariprasad Chimanlal Thakor
 - 2. Shri Markand Chandrakant Thakor
 - Shri Prakash Vasantlal Mehta; Lemington Road, Amir House, Bombay.

(Iransferoi)

- (2) 1. Shri Jashvantlal Gulabdas;
 - 2. Shri Shashikant Gulabdas;
 - 3. Shri Balvantrai Gulabdas; Navapura, Lad Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and and some old construction being Ward No. 9, Nondh No. 324 situated at Chakawala's Sheri, Surat admeasuring 77 sq. yds. as described in the sale deed registered in the month of June, 1977 under registration No. 1221 by registering Officer, Surat.

P. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 9th February 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th February 1978

Ref. No. P.R. No. 555 Acq. 23-1020/19-7/77-78.— Whereas, I. D. C. GOEL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Ward No. 9, Nondh No. 325 Chakawala's Sheri, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 30-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :-

- (1) Trustees appointed by Will of Pravinaben Harivadan Thakor
 - 1. Shri Hariprasad Chimanlal Thakor
 - Shri Markand Chandrakant Thakor Shri Prakash Vasantlal Mehta; Lennington Road, Amir House,

(Transferor)

(2) 1. Ishvarlal Gulabdas;

 Shri Jayantilal Gulabdas;
 Shri Laxmichand Gulabdas;
 Shri Champaklal Gulabdas; Lad Sheri, Navapura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Chakawala's Sheri, Surat, Ward No. 9, Nondh No. 325 admeasuring 146 sq. yds. as described in the sale-deed registered in the month of June, 1977 vide registration No. 1220 by registering Officer, Surat.

> P. C. GOEL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 9th February 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Surendra Thakorlal Thakor, 5-Gujarat Society, Ahmedabad-7. (Transferor)

(2) Shri Ishverlal Nathubhai Jariwala, Kantani Wad, Navapura, Surat. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1978

No. PR.561/Acq.23-1037/19-7/77-78.—Whereas, I., D. C. GOEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 f- and bearing

No. Ward No. 9, Nondh No. 317, 629 & 631-A paiki N. No. 317 paiki situated at Chakawala's Sheri, Vadi Falia, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing No. 9. Nondh No. 317, 629 and 631-A paiki Nondh No. 317 paiki situated at Chakawala's sheri, Vadi Falia, Surat as described in the sale deed registered under registration No. 1314 in the month of July, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 2nd March, 1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMI'DABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1978

Ref. No. P. R. No. 562.Acq.23-1038/19-7/77-78.—Whereas, I. D. C. GOEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as in the said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward 9, Nondh No. 317, 629 & 631-A paiki N. No. 317 paiki Block No. 4, situated at Chakawala's Sheri, Wadı Falia, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Surat in July, 1977

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I fair have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

17---516 GI/77

(1) 1. Shri Surendra Thakorlal Thakor;

2. Smt. Prangauri Surendra Thakor; 5-Gujarat Society, Ahmedabad-7

Shri Surendra Thakorlal Thakor;

Ketakiben Sureshchandra Thakor

5. Pranav Sureshchandra Thakor; No. 3, 4 & 5 at

54. Pritamnagar Society, Ahmedabad-6.
6. Arvindaben d/of Thakorlal Amrutlal Thakor;
3-A Short, Street, Calcutta, P. A Holder, Harshidaben d/of Thakorlal Amrutlal Thakor, Wadi Thakor; Falia, Surat.

7. Harshidaben d/o o Thakorlal Amrutlal Thakor, Wadi Falia, Surat.

8. Ushaben d/of Thakorlal Amrutlal Thakor, Wadi Falia, Surat

(Transferor)

(2) Shri Champaklal Chunilal; Shri Shantilal Champaklal; Vachali Sheri, Navapura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable, property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 9. Nondh No. 317. 629 & 631 paiki Nondh No. 317 paiki Block No. 4 situated at Chakawala's Sheri, Wadi Falia, Surat admeasuring 77 sq. yds. as described in the sale-deed registered under registration No. 316 registered in the month of July, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 2nd March, 1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1978

Ref. No. P. R. No. 563.Acq.23-1039/19-7/77-78.—Whereas, I. D. C. GOEL,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Ward No. 9, Nondh No. 317, 629 & 631-A Paiki N. No.

No. Ward No. 9, Nondh No. 317, 629 & 631-A Paiki N. No. 317 paiki situated at Chakawala's Sheri, Wadi Falia, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Surendra Thakorlal Thakor; 5-Gujarat Society
 - (Transferor)
- (2) Shri Dhirajlal Nathubhai Jariwala; Kantanivad, Navapura, Surat.

(Transferee)

Confirming party:-

- (3) 1. Shri Suresh Thakorlal Thakor; 56, Pritamnagar Society, Ahmedabad.
 - 2. Arvindaben d/of Thakorlal A. Thakor; Calcutta.
 Ushaben d/o Thakorlal A. Thakor;
 - 4. Harshidaben d/of Thakorlal A. Thakor; Wadi Falia, Surat.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 9, Nondh No. 317, 629 and 631-A paiki Nondh No. 317 paiki-situated at Chakawala's sheri, Wadi Falia, admeasuring 73.1 sq. yds, as described, in the sale-deed registered under registration No. 1318 registered in the month of July, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 2nd March, 1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1978

Ref. No. P. R. No. 564.Acq.23-1040/19-7/77-78.--Whereas, I. D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 9, Nondh No. 317, 629, 631-A paiki N. No. 317 paiki Block No. 3 situated at Chakawala's Sheri, Wadi Falia, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) 1. Shii Surendralal Thakorlat Thakor;
 - 2. Smt. Prangauri Surendra Thakor, Both at 5. Gujarat Society, Ahmedabad-7.
 - 3. Shri Sureshchandra Thakorlal Thakor;

 - Ketakiben Sureshchandra Thakor;
 Pranav Sureshchandra Thakor;
 Pritamnagar
 - 5. Pranav Suresachana.
 Society, Ahmedabad-6.
 6. Arvindaben d/of Thakorlal Amrutlal, Calcutta,
 Harshidaben d/of Thakorlal P. A. Holder: Harshidaben d/of Amrutlal Thakor.

 - Harshidaben d/o Thakorlal Amrutlal Thakor, Vadi Falia, Surat.
 Ushaben d/of Thakorlal Amrutlal; Chakawala's Sheri, Wadi Falia, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Champaklal Chunilal Jariwala; 2. Shri Thakordas Champaklal Jariwala; Vachali Sheri, Navapura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 9, Nondh No. 317, 629, 631-A paiki, Nondh No. 317 paiki, Block No. 3, situated at Chakawala's Shri, Vadi Falia, Surat admeasuring 77 sq. yds. as discribed in the sale deed registered under registration No. 1320 in the month of July, 1977 by the registering Officer, Surat.

> D. C. GOEL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 2nd March, 1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1978

Ref. No. P. R. No. 560.Acq.23-1036/19-7/77-78,—Whereas I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 9, Nondh No. 317, 629, 631-A paiki N. No. 317 paiki Block No. 7, situated at Chakawala's Sheri, Wadi Falia, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) L. Surendra Thakorlal Thakor;
 - Prangauri Surendra Thakor; 5-Gujarat Society, Ahmedabad-7.
 - 3. Sureshchandra Thakorlal Thakor;
 - 4. Ketkiben Surenshchandra Thakor;
 - 5. Pranav Sureshchandra Thakor; No. 3, 4 & 5 at 56, Pritamnagar Society, Ahmedabad-6.
 - Arvindaben d/of Thakorlal A. Thakor, Calcutta, P. A. Holder, Harshidaben d/of Thakorlal A. Thakor, Wadi Falia, Surat.
 - Harishidaben d/o Thakorlal A. Thakor; Wadi Falia, Surat.
 - Ushaben d/o Thakorlal A. Thakor, Wadi Falia, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ishverlal Chandulal; Chakawala's Sheri, Wdi Palia, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 9, Nondh No. 317, 629, 631-A paiki Nondh No. 317 paiki Block No. 7, admeasuring 54-40 sq. yds. situated at Chakawala's Sheri, Wadi Falia, Surat as described in the sale deed registered under registration No. 1319 in the month of July, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 2nd March, 1978.

___ _ _ _ _ _

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th March 1978

Ref. No. P. R. No. $565.\Lambda cq.23-1041/19-7/77-78$.—Whereas, I. D. C. GEOL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Ward No. 10, Nondh No. 1694 A situated at Soni Falia, Gopipura, Surat

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Surat on 22-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1 Shri Dahyabhai Mohanbhai Desai;
 - Smt. Maniben Dahyabhai Desai; Sonî Falia, Gopipura, Surat.

(Transferor)

- (2) I. Shir Kevalbhai Naranji alias Lallubhai Patel;
 - 2. Shri Rameshbhai Kevalbhai Patel;
 - 3. Shri Jayantilal Kevalbhai Patel;
 - 4. Shri Bharatbhai Kevalbhai Patel;
 - Shii Aivindkumar Kevalbhai Patel, Varachha Sheri, Reghnathpura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 10/1694-A, situated at Soni Falia, Gopipura, Surat admeasuring 174 sq. yds. as described in the sale deed registered under registration No. 563, in the month of July, 1977 by registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 7th March, 1978,

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th March 1978

Ref. No. P. R. No. 566 Acq.23-1042/19-7/77-78.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-

inafter referred to as the 'said Act5), have reason to believe that the immovable property having a fair market, value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Ward No. 7, City Survey No. 51(A) situated at Safi Bag, Opp. Station, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 30-7-1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or whiche ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Idrisbhai Alibhai Kinkhabwala; Self and P. Λ. Holder of;
 - i. Alibhai Abdulgafur Kinkhabwala-father.
 - ii. Amir Alibhai Kinkhabwala-brother.
 - iii. Yunus Alibhai Kinkhabwala-brother.
- (2) Shri Istiyas Alibhai Kinkhabwala; Shri Arif Alibhai Kinkhabwala; All at Nanpura, Surat.

 (Transferor)
- (2) Smt. Vimlaben W/of Babubhai Liladhar Popat; Shroff Building, Azad Chawk, Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Wd. No. 7, City Survey No. 51(A), near Sufi Baug, Opp. Surat Rly. Station, admeasuring two fifth of 457-36-31 sq. mts. as described in the sale deed registered under registration No. 1497 registered in the month of July, 1977 by registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 7th March, 1978.

(1) Shi Dhirajlal Khetsibhai Shah, Mahindharpura, Vania Sheri, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Parshottambhai Tulsibhai Patel; 'Ami-Zaina', Arogyanagar Athwa, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1978

Ref. No. P. R. No. 567.Acq.23-1043/19-7/77-78.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Ward No. 13/329, R. S. No. 52 paiki, situated at Athwa, near Narmad Society, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in July, 1977.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 13/329, R. S. No. 52 Paiki, situated at Athwa, Near Narmad Society, Surat admeasuring 286.70 sq. mts. as described in the sale-deed Registered under registration No. 1478 in the month of July, 1977 by registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 7th March, 1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Kantaben Nandkrishna, Near Natraj Apartment, Surat.

(Transferor)

- Shri Shantilal Kalyandas; Chhello Mohollo, Rustampura, Surat.
 - Shri Pravinchandra Chhotalal Sopariwala; Dakshini Mahollo, Gopipura, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AIHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th March 1978

Ref. No. P. R. No. 569.Acq.23-1045/19-7/77-78.—Where-as, I. D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 40 paiki T. P. S. No. 6, F. Plot No. 96, C. S. No. 32 situated at Khatodra, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing R. S. No. 40 paiki T. P. S. No. 6, F. Plot No. 96, C. S. No. 32, Khatodra, Surat admeasuring 1508 sq. mts. as described in the sale-deed registered under registration No. 1438/77 in month of July, 1977 by registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 7th March 1978

FORM ITNS----

(1) Shrimati Rama Kumari Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Paras Enterprises.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OI-FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 25th February 1978

Ref. No. 68/77-78/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Khata No. 524 situated at Jeypore

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jeypore on 1-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with structure thereon situated over Plot No. 248 & 248/1795 at Jeypore under the jurisdiction of Sub-Registrar, Jeypore and registered by sale document No. 1350 dated 1-6-77.

A. N. MISRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date: 25.2.78.

(1) Shri Prafulla Kumar Mukherjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sukumar Pal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 18th February 1978

Ref No AC-33/Acq R IV/Cal/77-78—Whereas, I, P P SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No

No 208/1, situated at Bairackpore Trunk Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair rket value of the aforesaid property and I have reason to eve that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 7 cottnas 9 chittaks 44 s ft situated at premises no 208/1, Bairackpore Trunk Road, P S Baianagar, 24-Pgs, more particularly as per deed No 5562 P of 1977

P. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date . 18 2-1978.

Seai:

FORM IS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THNCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CAMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGF-II, MADRAS-6

Madras-6, the 13th March 1978

Ref. No. F. 3911/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of th Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TS No. 1092/1G, Municipal Ward 2, siturated at Trichy (and more fully described in the Sched ; annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR I Trichy (Doc. No. 1349/77) in June 1977

apparent consideration which is less than the fair market value of the coresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as after said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

Now, therefore, in pursuance ωf section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following (1) Smt. S. Rajeswari W/o Shri R. Subramanian, No. 4-A/12 Allithurai Road Trichy-17.

(Transferor)

(2) Smt. Mallikai Sundrammal W/o Shti Thayumana Pıllai (Represented by Power Agent: Shri M. Arunachalam Pillai) C/o Ana da Stores 168 Tanjore Road Trichy-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 4A/8, T. S. No. 1092/1-G, Municipal Old Ward No. 8, Trichy. (Doc. No. 1349/77-JSR I Trichy).

K. PONNAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 13-3-78. Seal:

PRIN 'ID BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, PARIDABAD AND PRINTING THE COLUMN OF PUBLICATIONS, DELHI, 1978

